जीवन दर्शन

पत्र लिखना भी
एक कला है -
महात्मा गांधी

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शुक्रवार 30 मई, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 108 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

आरसीबी 9 साल बाद आईपीएल फाइनल में: क्वालिफायर-1 में पंजाब को ...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

जापान में सरकार ने बच्चों के अजीब नाम रखने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। जापानी सरकार ने देश में बच्चों के अजीब नाम रखने पर रोक लगा दी है। दरअसल, जापान में कई माता-पिता अब अपने बच्चों को अजीब और अलग तरह के नाम देने लगे हैं, जैसे झ्र नाइक, पिकाचु या पुडिंग। ऐसे नामों को जापान में 'किराकिरा नाम' कहा जाता है, जिसका मतलब होता है चमकदार या बहुत अलग। नए नियम के तहत माता-पिता अब अपने बच्चों को कोई भी नाम नहीं दे सकेंगे, खासकर ऐसे नाम जिनका उच्चारण समझना मुश्किल हो। किसी नाम को पढ़कर उसका सही उच्चारण समझ में नहीं आता, तो अधिकारी उसे रद्द कर सकते हैं। अब सरकार यह चाहती है कि लोग ऐसे नाम रखें जिन्हें पढ़ना और समझना आसान हो, ताकि किसी तरह की परेशानी न हो। पिछले कुछ सालों में ऐसे अजीब नामों की संख्या बढ़ी है।

अमेरिका बड़े पैमाने पर चीनी छात्रों का वीजा रद्द करेगा... राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने चीनी छात्रों के वीजा को बड़े पैमाने पर रद्द करने की घोषणा की है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि विदेश मंत्रालय, गृह सुरक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर यह काम करेगा। रुबियो ने बताया कि ऐसे चीनी छात्रों का वीजा रद्द किया जाएगा, जिनका चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) से संबंध है या जो टेक्निकल फिल्ड में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹हम भविष्य में चीन और हॉन्गकॉन्ग से आने वाले वीजा आवेदनों की जांच को और सख्त करेंगे। अमेरिका का दावा है कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। सीसीपी छात्रों के जरिए संवेदनशील जानकारी हासिल कर सकता है। यह कदम अमेरिका में चीनी छात्रों की संख्या को कम करेगा। चीन ने इसपर कड़ा विरोध जताया है।

एक्सपर्ट बोले- नए वैरिएंट पर मौजूदा वैक्सीन बेअसर देश में 1348 एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आज एक्टिव केसों की संख्या 1348 पहुंच गई। वहीं, मौतों की संख्या 15 हो गई है, इनमें सबसे ज्यादा 6 मौतें महाराष्ट्र में हैं। उधर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि 2022 के बाद नए वैरिएंट की वजह से कोविड पेशेंट कई बार बढ़े हैं, लेकिन कोई गंभीर स्थिति नहीं देखी गई। मेरा अंदाजा है कि इस बार भी बहुत परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। वहीं, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) के प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे के मुताबिक कोविड की चौथी लहर आती है तो उसका असर 21 से 28 दिन तक रहेगा।

इलॉन मस्क ने छोड़ा डोनाल्ड ट्रम्प का साथ

डीओजीई से दिया इस्तीफा, लिखा- मेरा टाइम पूरा हुआ

वॉशिंगटन ■

टेस्ला के मालिक और अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने ट्रम्प प्रशासन छोड़ दिया है। उन्होंने भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5.30 बजे सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। मस्क ने कहा कि स्पेशल गवर्नमेंट एम्प्लॉई के तौर पर मेरा समय पूरा हुआ। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद भी दिया। ट्रम्प ने मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) का जिम्मा दिया था। जिसका काम सरकार की फिजूलखर्ची कम करना था।

जानकारी के मुताबिक ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद डीओजीई प्रमुख के तौर पर मस्क की नियुक्ति 30 मई 2025 तक के लिए ही की थी। यानी जब मस्क ने इस्तीफा दिया, उसके एक दिन बाद ही उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था।

ट्रम्प के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' के खिलाफ थे मस्क

मस्क के इस्तीफे की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन वे उस बिल का विरोध कर रहे थे जिसे ट्रम्प ने बिग ब्यूटीफुल बताया था। मस्क ने कहा था कि DOGE का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के टैरिफ पर रोक लगाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ को फेडरल ट्रेड कोर्ट ने असंवैधानिक करार देते हुए रोक लगा दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि ट्रम्प ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया और संविधान के दायरे से बाहर जाकर ये टैरिफ लगाने की कोशिश की। मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने ट्रम्प के इस कदम को गैर-कानूनी ठहराया। कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने कहा कि ट्रम्प ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट का गलत इस्तेमाल किया। ये कानून राष्ट्रपति को आपातकाल में कुछ खास शक्तियां देता है, लेकिन कोर्ट ने माना कि ट्रम्प ने इसे बिना ठोस आधार के इस्तेमाल किया।

शिलांग गए इंदौर के दंपति की खोजबीन के लिए बदला इलाका

अब स्कूटर मिलने वाले हिस्से में तलाशी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शिलांग में लापता हुए इंदौर के दंपति को खोजने के लिए अब स्थानीय पुलिस ने जांच की इलाका बदला है। बीते छह दिनों से उन्हें खाई वाले इलाके में खोजा जा रहा था,लेकिन गुरुवार दोपहर के बाद उनकी खोज वहां की जा रही है, जहां उनका किराए का स्कूटर मिला था। खाई वाले इलाके और स्कूटर मिलने वाले इलाके के बीच दो से तीन किलोमीटर की दूरी है, हालांकि गुरुवार शाम तक उस इलाके में भी दोनों का पता नहीं चल सका।

गुरुवार दोपहर तक खाई वाले क्षेत्र में ड्रोन से खाई वाले हिस्से में खोज अभियान चलाया गया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। अब तक राजा और सोनम रघुवंशी को लेकर जो सबूत मिले है, वे हादसे के बजाए अपहरण की आशंका की तरफ इशारा कर रहे है, लेकिन शिलांग पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। जहां दोनों का स्कूटर मिला था, वह पहाड़ी हिस्सा है और समीप ही पुलिस चौकी है।उस क्षेत्र में उनके साथ अपराध की संभावना कम है। छह दिन पहले पुलिस को दोनों का स्कूटर मिला था और उसमें चाबी लगी थी। दोपहर बाद उनका फोन भी बंद हो गया था, जबकि स्कूटर जहां मिला है। वहां नेटवर्क को लेकर कोई परेशानी नहीं है। अंधेरा होने की वजह से गुरुवार शाम को खोज अभियान रोक दिया गया। अब शुक्रवार को नए सिरे से दोनों को खोजा जाएगा। उधर इंदौर निवासी उनके परिजनों ने बड़ा गणपति से निकली महाराणा प्रताप जंयती की शोभायात्रा में राजा और सोनम के परिजन भी शामिल है। उनके हाथों तख्तियां भी थी। वे जल्दी उनकी तलाशी की मांग कर रहे है।

राहुल का मोदी को लेटर-पुंछ के लिए राहत पैकेज मांगा

नई दिल्ली/श्रीनगर ■

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर पुंछ और पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित अन्य इलाकों के लिए राहत पैकेज देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से की गई फायरिंग से स्थानीय लोगों को जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार को इन इलाकों के लिए ठोस और तुरंत मदद पहुंचानी चाहिए।

उन्होंने लिखा कि जिन परिवारों ने अपने घर या परिजन खोए हैं, उन्हें आर्थिक मदद दी जाए और सरकार को पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उधर, महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक युवक को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एटीएस अधिकारियों ने

गुरुवार को यह जानकारी दी। आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी को भारत की गोपनीय जानकारी भेज रहा था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है। उधमपुर ईस्ट से भाजपा विधायक रणवीर पठानिया ने ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयरफोर्स के पायलट सोए हुए थे। कुसूर हमारा है, हम लोगों ने इन्हें अपनी पलकों पर बैठा रखा है।' पठानिया ने भारतीय वायुसेना को 'नालायक' कहा।

भारत बोला-पाकिस्तान से सिर्फ पीओके खाली करने पर बात होगी

नई दिल्ली ■

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को भारत-पाकिस्तान तनाव, अमेरिकी टैरिफ और वीजा और बांग्लादेश समेत कई मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पाकिस्तान को लेकर उन्होंने कहा कि हमारा रवैया साफ है कि आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं चल सकती।

भारत ने कुछ साल पहले आतंकियों की एक लिस्ट पाकिस्तान को सौंपी थी। उन सभी आतंकियों को हमारे हवाले करे। ढङ्ङ पर उन्होंने अवैध कब्जा कर रखा है। हम इस पर से पाकिस्तानी कब्जा हटाने के बारे में बात करेंगे।

पाकिस्तान के साथ कोई भी संबंध द्विपक्षीय ही रहेगा

रणधीर जायसवाल ने कहा- जहां तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख साफ है। कोई भी संबंध द्विपक्षीय होना चाहिए। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता। इस मामले में पीएम मोदी का भी यही कहना है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता।

पाकिस्तान में आतंकियों के सम्मान के सवाल पर उन्होंने कहा कि वहां आतंकियों को माला पहनाना, उनकी सराहना करना नई बात नहीं है। पाकिस्तान आतंकवाद का ग्लोबल सेंटर है यह दुनिया भी समझती है। अगर पाकिस्तान में आतंकी खुले मंच से भारत विरोधी बयान दे रहे हैं तो इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है।

पाक पीएम ने भारत से बातचीत की इच्छा जताई

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हाल में तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान के दौरान पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान और अजरबैजान में भारत के साथ बातचीत की इच्छा जताई। शरीफ ने अजरबैजान में कहा कि दोनों देशों को मिलकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद जैसे मुद्दों को हल करना चाहिए। इससे पहले वो ईरान में भी भारत के साथ बातचीत करने के बारे में कह चुके हैं।

फिलिस्तीनी राजदूत संयुक्त राष्ट्र में गाजा के हालात बताते हुए रोए

गाजा। फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र में गाजा के बच्चों के हालात बताते हुए फूट-फूट कर रो पड़े। उन्होंने गाजा के बदतर हालात के बारे में लोगों को बताया। मंसूर ने कहा- कई बच्चे भूख से मर रहे हैं। महिलाएं अपने बेजान बच्चों को गले लगा रही हैं, उनके बालों को सहला रही हैं, उनसे बात कर रही हैं, उनसे माफी मांग रही हैं। यह सब देखना तकलीफदेह है। कोई ऐसा कैसे कर सकता है? यह कहते हुए उनके आंसू फूट पड़े। मंसूर ने आगे कहा- फिलिस्तीनियों की इस हालात को कोई आम इंसान बर्दाश्त नहीं कर सकता। आग और भूख फिलिस्तीनी बच्चों को निगल रही है। उन्होंने कहा- कोई भी वजह फिलिस्तीनियों पर हमले को जायज नहीं ठहरा सकती। हम भी इंसान हैं।

प्रधानमंत्री पर ममता बनर्जी की विवादित टिप्पणी:कहा-

पीएम ऐसे बात कर रहे, जैसे हर महिला के पति हों, मोदी सरकार घर-घर पहुंचाएगी सिंदूर

कोलकाता ■

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे हर महिला के पति हों। वे अपनी पत्नी को सिंदूर क्यों नहीं देते? हालांकि मैं इस संबंध में बात नहीं करना चाहती, लेकिन आपने मुझे बोलने के लिए मजबूर कर दिया।

ममता बनर्जी ने कहा- सिंदूर का संबंध हर महिला से है। सिंदूर को पवित्र माना जाता है। महिलाएं इसे

अपने पति के लिए लगाती हैं। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मैं कोई कमेंट नहीं करना चाहती। हर महिला का सम्मान होता है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को ही पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में करीब 32 मिनट का संबोधन दिया। इसमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान, ममता सरकार के भ्रष्टाचार और केंद्र की नीतियों का जिक्र किया था।

मोदी को आमने-सामने बहस करने की चुनौती दी

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि पीएम मोदी को मैं आमने-सामने बहस करने की चुनौती देती हूं। इसमें कोई स्क्रिप्ट नहीं होगी और सवालों के जवाब तुरंत देने होंगे। आप चाहें तो अपना टेलीप्रॉम्प्टर भी लेकर आएं। ममता ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि आप मीडिया को कंट्रोल करते हैं और राजस्थान, बांग्लादेश और अन्य जगहों पर हुई घटनाओं का गलत इस्तेमाल करते हैं। वे बंगाल की फेक न्यूज फैलाते हैं। हर प्रदर्शन आपके नाम पर ही होता है।

सालभर में 25 फीसदी बढ़ गया नोट छापने का खर्चा

आरबीआई ने बताया- तीन नोटों की छपाई हो चुकी है बंद

नई दिल्ली ■

कैश जरा संभलकर खर्च कीजिए, क्योंकि नोट की छपाई का खर्चा सालभर के भीतर 25 फीसदी बढ़ गया है। रिजर्व बैंक ने गुरुवार को रिपोर्ट जारी कर बताया कि वित्तवर्ष 2024-25 में बैंक नोट की छपाई पर होने वाला खर्चा सालाना आधार पर करीब 25 फीसदी बढ़कर 6,372।8 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पहले वित्तवर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 5,101.4 करोड़ रुपये था। आरबीआई ने बताया कि उसने तीन नोटों की छपाई भी बंद कर दी है।

बढ़ रहा सिक्कों का चलन...

आरबीआई ने मई 2023 में 2,000 रुपये के बैंक नोट को प्रचलन से वापस लेने की शुरूआत की थी, जो गत वित्तवर्ष में भी जारी रही। घोषणा के समय प्रचलन में रहे 3.56 लाख करोड़ रुपये में से 98.2 फीसदी 31 मार्च 2025 तक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए। 2024-25 के दौरान प्रचलन में रहे सिक्कों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 9.6 फीसदी और 3.6 फीसदी बढ़ोतरी हुई। साथ ही वित्तवर्ष 2024-25 में प्रचलन में मौजूद ई-रुपी का मूल्य 334 फीसदी बढ़ा।

आरबीआई की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, वित्तवर्ष 2024-25 के दौरान प्रचलन में मौजूद बैंक नोट का मूल्य एवं मात्रा क्रमशः 6 फीसदी और 5.6 फीसदी बढ़ी। 2024-25 के दौरान 500 रुपये के बैंक नोट की हिस्सेदारी 86 फीसदी रही, जो मूल्य के हिसाब से मामूली रूप से घटी है। इसमें कहा गया है कि मात्रा की दृष्टि से प्रचलन में मौजूद कुल बैंक नोट में 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40.9 फीसदी रही। इसके बाद 10 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की हिस्सेदारी 16.4 फीसदी रही। कम मूल्यवर्ग के बैंक नोट (10 रुपये, 20 रुपये और 50 रुपये) की प्रचलन में बने कुल बैंक नोट में हिस्सेदारी 31.7 फीसदी रही।

व्यंग्य : पाक से बड़े नापाक चीन के प्रोडक्ट ना खरीदें ..?

भारत के लिए दुश्मन देश पाकिस्तान से अधिक घातक चीन है जो पाकिस्तान का साथ देकर भारत पर अप्रत्यक्ष वार कर रहा है. पाकिस्तान से व्यापार बंद करने से कुछ खास नहीं होना है जबकि भारत के नागरिकों को देशहित में हर त्यौहार या सामान्य दिनों में भी चीन के प्रोडक्ट खरीदना बंद करना चाहिए. सस्ते के चक्कर में घटिया माल वापरने की बजाय देश के उद्योग को प्रोत्साहित करना जरूरी है..चीनी घटिया माल का नतीजा खुद पाकिस्तान ने भुगता है तो भारत के लोग क्यों वापरें चीनी प्रोडक्ट..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

दुश्मन से बड़ा दुश्मन उसका मददगार : चीन से रहें सावधान और सिखाएं सबक..?

भारत से पाकिस्तान कई बार युद्ध में हारा और इस बार पहलगाम कश्मीर में आतंकी हमले में भी पाकिस्तान को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए करारी मात दी है. खैर इसका उल्लेख इसलिए जरूरी था, कि पाकिस्तान से दुश्मनी वर्षों पुरानी है और इस दुश्मन देश से भारत का बड़ा दुश्मन पाकिस्तान का मददगार देश चीन है जो फिर 32 हजार करोड़ का लोन पाकिस्तान को देने की तैयारी में है. इधर भारत, पाकिस्तान का लोन रुकवाने का प्रयास कर रहा है जबकि चीन आतंक को बढ़ावा देने हेतु पाकिस्तान की लगातार मदद कर रहा है. स्पष्ट है कि चीन को सबक सिखाने के लिए भारत के हर नागरिक को एकजुट होकर चीनी प्रोडक्ट की खरीदी बंद करना होगी. 1905 में भारत में बंगाल के विभाजन के समय 'स्वदेशी आंदोलन ' शुरू हुआ था जिसे महात्मा गांधी ने और गति दी. आत्मनिर्भर भारत के लिए जरूरी है कि हर त्यौहार पर ही नहीं अपितु सामान्य दिनों में भी चीनी प्रोडक्ट ना खरीदें.व्यापारिक संगठन केट की मानें तो 2024 के त्योहारी सीजन (रक्षाबंधन से तुलसी विवाह तक) के दौरान देश में करीब 4 लाख करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ, जिसमें स्वदेशी सामानों की हिस्सेदारी बढ़ी. हालांकि, सजावटी सामानों जैसे एलईडी लाइट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में चीन से ज्यादा आयात हुआ था. हालांकि इसकी मात्रा पहले की तुलना में कम थी. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने चीन से कुल 101.7 अरब डॉलर करीब 8.5 लाख करोड़ का सामान आयात किया था, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक सामान और सजावटी आइटम्स शामिल थे. आंकड़ों देखें तो इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और प्लास्टिक प्रोडक्ट्स का हिस्सा करीब 30-40% रहा था.अब समय आ गया है कि चीनी सामान का पूरी तरह बहिष्कार किया जाए और देश के उद्योग को बढ़ावा दिया जाए तभी भारत तेजी से विकसित होगा और प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ेगी. भारत वैसे भी विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अमेरिका व चीन की बराबरी करना है तो देश के हर नागरिक में 'मेड इन इंडिया ' प्रोडक्ट को ही प्रोत्साहित करने का जज्बा होना क्या जरूरी नहीं है..?

एयरफोर्स चीफ अमरप्रीत बोले-एक भी डिफेंस प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं

नई दिल्ली ■

एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने गुरुवार को डिफेंस सिस्टम की खरीद और डिलीवरी में हो रही देरी पर कहा कि ऐसा एक भी प्रोजेक्ट नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। ये सोचने वाली बात है कि हम ऐसा वादा क्यों करते हैं, जिसे पूरा ही नहीं किया जा सकता। कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही पता होता है कि ये समय पर नहीं होगा, फिर भी साइन कर देते हैं, जिससे पूरा सिस्टम खराब हो जाता है। यह पहला मौका है जब किसी सेना प्रमुख ने सिस्टम पर इस तरह से सवाल उठाया हो।

सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में एयर चीफ मार्शल ने कहा;-टाइमलाइन एक बड़ा मुद्दा है। समय से डिफेंस प्रोजेक्ट पूरा न होने की वजह से ऑपरेशनल तैयारी पर असर पड़ता है।

इससे पहले 8 जनवरी को भी एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने तेजस लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी को लेकर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि 40 जेट अभी तक फोर्स को नहीं मिले हैं। जबकि चीन जैसे देश अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि हमें आज के लिए तैयार रहना होगा, तभी भविष्य के लिए भी तैयार हो सकेंगे। आने वाले 10 साल में इंडस्ट्री से ज्यादा आउटपुट मिलेगा, लेकिन जो जरूरत आज है, वो आज पूरी होनी चाहिए। हम सिर्फ भारत में मैन्युफैक्चरिंग के बारे में बात नहीं कर सकते। हमें डिजाइनिंग के बारे में भी बात करनी होगी। हमें सेना और इंडस्ट्री के बीच भरोसे की जरूरत है।

पशुपालन एवं इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के अधिकारियों की संयुक्त बैठक सम्पन्न

दुग्ध उत्पादन के लक्ष्य पूर्ति हेतु उन्नत किस्म के पशुधन को को बढ़ाया जाये- सिंह

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग में पदस्थ पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने उक्त विभागों से संबंधित गतिविधियों, कार्यक्रमों, योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की जिलेवार समीक्षा की। बैठक में श्री सिंह ने निर्देश दिये कि दुग्ध उत्पादन की लक्ष्य पूर्ति को पूरा करने के लिये उन्नत किस्म के पशुधन को बढ़ाया जाये। पशुओं को उन्नत किस्म का आहार दिया जाये। मुख्यमंत्री डेयरी प्लस का समस्थ जिलों में विस्तार किया जाये। साथ ही वृहद स्वावलंबी गौशालाओं के माडल तैयार कर निराश्रित गौवंश का उपयुक्त व्यवस्थापन किया जाये। पशुपालकों को पशुपालन के लिये किसान क्रेडिट कार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित कराये। हितग्राहियों को अधिक से अधिक सुविधाएं दी जाये।

बैठक में बताया गया कि देश में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का तीसरा स्थान है। मध्यप्रदेश में प्रतिदिन 551 लाख किलोग्राम दुग्ध उत्पादन होता है, जो राष्ट्र का 9 प्रतिशत है। प्रदेश में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 644 ग्राम प्रतिदिन है, जबकि राष्ट्रीय औसत 459 ग्राम प्रतिदिन है। प्रदेश में गौवंशी पशु, भैंसवंशीय पशु, बकरे-बकरियां और कुक्कुट पालन ठीक प्रकार से किया जा रहा है। सभी जिला मुख्यालय में चलित पशु चिकित्सा इकाई है। पशुधन को होने वाले विभिन्न रोगों से बचाव हेतु उनका समय-समय टीकाकरण किया जाता है। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा पशुपालकों के लिये किसान क्रेडिट कार्ड योजना का ठीक से क्रियान्वयन हो रहा है। इस योजना का उद्देश्य पशुपालकों को कम ब्याज दर पर आवश्यक कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराना। राज्य शासन द्वारा द्वारा वर्ष 2016 से जारी आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना चलाई जा रही है।

मप्र में 31 को लिखा जाएगा विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया अध्याय

मोदी करेंगे लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन का शुभारंभ

इंदौर मेट्रो, दतिया-सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री मोदी क्षिप्रा नदी पर 778 करोड़ के घाट निर्माण कार्यों का भोपाल से करेंगे वर्चुअल भूमि-पूजन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के लिए 31 मई का दिन एक ऐतिहासिक होगा। इस दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में प्रधानमंत्री श्री मोदी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी 483 करोड़ से बने 1271 नवीन अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की पहली किश्त का अंतरण भी करेंगे

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन

प्रधानमंत्री श्री मोदी इस महासम्मेलन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित डाक टिकट और स्मृति सिक्का जारी करेंगे। इसके साथ ही आदिवासी, लोक एवं पारंपरिक कलाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाली कलाकर को राष्ट्रीय देवी अहिल्याबाई पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी इस अवसर पर देवी अहिल्याबाई के सुशासन, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे।

इंदौर मेट्रो का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री मोदी भोपाल से वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर का शुभारंभ करेंगे। यह 6 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर मेट्रो यलो लाइन का हिस्सा है जिसमें 5 स्टेशन शामिल हैं। देश के स्वच्छतम शहर इंदौर को एक आधुनिक, प्रदूषण-मुक्त और तेज यातायात सुविधा से सुसज्जित करेगा।

दतिया और सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण

प्रधानमंत्री श्री मोदी दतिया एवं सतना में नवनिर्मित एयरपोर्ट्स का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दतिया एयरपोर्ट 60 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है और यह धार्मिक नगरी को देशभर से बेहतर रूप से जोड़ेगा। सतना एयरपोर्ट, 37 करोड़ की लागत से निर्मित किया गया है। यह एयरपोर्ट विन्ध्य क्षेत्र के पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग क्षेत्र को नई उड़ान देगा।

नमामि क्षिप्रा परियोजना के अंतर्गत 778 करोड़ के घाटों और कार्यों का भूमि-पूजन

प्रधानमंत्री श्री मोदी सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत क्षिप्रा नदी पर 778.91 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले घाटों का वर्चुअल भूमि-पूजन करेंगे। इसके साथ ही 80 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के बैराज, स्टॉप डैम और वेटेड कॉजवे निर्माण कार्य भी शुरू होंगे। यह कार्य धार, उज्जैन, इंदौर, देवास और अन्य जिलों में किए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी इसी दिन भोपाल से वर्चुअली उज्जैन में सिंहस्थ महापर्व 2028 के लिए निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा ?778.91 करोड़ की लागत से घाट निर्माण का भूमि-पूजन किया जाएगा। यह निर्माण शनि मंदिर से लेकर नागदा बायपास तक 29 किलोमीटर लंबाई में होगा। ये सभी संरचनाएं क्षिप्रा और कान्ह नदियों के जल प्रवाह को बनाए रखने में सहायक होंगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन सभी आयोजनों में उपस्थित रहेंगे। 31 मई, 2025 को मध्यप्रदेश सामाजिक, सांस्कृतिक और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में नए युग में प्रवेश करेगा। यह दिन देवी अहिल्याबाई की प्रेरणा से महिला सशक्तिकरण, प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की एक भव्य झलक प्रस्तुत करेगा। सम्मेलन से प्रदेश की लगभग 2 लाख नारी शक्ति की सहभागिता होगी।

बेटे ने किया खुद को किडनैप, कार के लिए चाहिए थे पैसे, पापा पहुंचे पुलिस के पास, खुल गई पोल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने खुद के अपहरण की झूठी कहानी रचकर अपने ही पिता से तीन लाख रुपए की फिरौती वसूलने की कोशिश की। बुधवार को युवक के पिता आनंद यादव थाने पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी कि उनका बेटा यश राठौर लापता है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें वॉट्सऐप कॉल पर किसी ने तीन लाख रुपए की फिरौती की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल एक टीम गठित की और साइबर सेल की मदद ली। जांच के दौरान पुलिस ने सुपर कॉरिडोर इलाके से यश राठौर को उसके तीन दोस्तों के साथ पकड़ लिया।

एडिशनल डीसीपी रामस्नेही मिश्रा ने बताया कि यश राठौर ने कार की किश्त नहीं चुका पाने के कारण यह झूठी साजिश रची थी। पकड़े गए अन्य तीन युवक आदर्श चक्रवर्ती, धर्मेंद्र लोधी और राहुल मेहरा हैं। चारों ने मिलकर यश के पिता से फिरौती वसूलने का प्लान बनाया था। यश ने एक अर्टिगा कार किराए पर चलाने के उद्देश्य से ली थी और अपने माता-पिता से कहा था कि वह नगर निगम में कार अटैच करके अच्छी कमाई कर रहा है। लेकिन वास्तविकता यह थी कि गाड़ी से कोई आमदनी नहीं हो रही थी और कर्जदाता लगातार पैसे मांग रहे थे। ऐसे में यश ने कार को गिरवी रख दिया और पैसे की जुगाड़ के लिए खुद के अपहरण की झूठी कहानी बना डाली। यश के माता-पिता सिलाई का छोटा-मोटा काम करते हैं और घर की आर्थिक स्थिति पहले से ही अच्छी नहीं है। बेटे के लापता होने और फिरौती की खबर मिलते ही वे घबरा गए और तुरंत थाने पहुंचे। पुलिस ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजी से कार्रवाई की और यश समेत चारों युवकों को पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सच्चाई सामने आ गई, जिससे पुलिस भी चौंक गई कि महज किश्त चुकाने के लिए युवक ने इतनी बड़ी योजना बना डाली।

एक आरोपी पर पहले से दर्ज हैं दर्जनों केस

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए युवकों में से राहुल मेहरा पर पहले से ही एक दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। बाकी दोनों युवकों आदर्श चक्रवर्ती और धर्मेंद्र लोधी के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। साथ ही, झूठी सूचना देने और कानून का दुरुपयोग करने के आरोप में भी मुकदमा दर्ज किया जा सकता है।

रबी की समीक्षा एवं खरीफ की बुआई की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त दीपक ने संभागायुक्त कार्यालय में संभाग के जिलों में पदस्थ कृषि विभाग के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर खरीफ फसल, बुआई हेतु अग्रिम तैयारियों, कार्ययोजना तथा रबी फसल वर्ष-2024-25 के उत्पादन उत्पादकता की समीक्षा की।

संभागायुक्त दीपक सिंह ने जिलेवार रबी उत्पादन तथा उत्पादकता के बारे में जाना तथा खरीफ फसल बुआई में किन- किन फसलों को प्राथमिकता के साथ बुआई की जाये, इसकी समीक्षा की। बैठक में संयुक्त संचालक कृषि आलोक मीणा ने बताया कि किसान अच्छी उत्पादक, अच्छे विक्रय मूल्य के कारण मक्का फसल को रबी व खरीफ के मौसम में उगा रहे है। जिससे आने वाले समय में फसल चक्र का क्रम टुटेगा तथा मिट्टी की उर्वरता पर भी इसका असर होगा। जिसके समाधान हेतु सिंह ने निर्देश दिये कि किसानों को मक्का की फसल के विकल्प के रूप में नई फसल उगाने के लिये जागरूक करें। जैसे ज्वार, मक्का के विकल्प के रूप उगाया जा सकता है। साथ ही सिंह ने निर्देश दिये कि डीएपी खाद का अग्रिम भण्डारण पर्याप्त रूप से रखें। बैठक में बताया गया कि नरवाई के मामले कुछ हद तक कम हुए है। किन्तु आकड़ों में धार एवं इंदौर में अधिक नरवाई जलाई जाती है। सिंह ने निर्देश दिये ऐसी घटनाओं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाये। इसके लिये जिला कलेक्टर से संपर्क कर एक जन-आंदोलन चलाए, सूचना तंत्र मजबूत कर त्वरित कार्रवाई करें।

क्ले वर्क वर्कशॉप प्रारंभ

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

बाल भवन इंदौर द्वारा बच्चों में उनकी प्रतिभाओं को निखारने हेतु विभिन्न प्रकार के कैंप और वर्कशॉप आयोजित की जा रही है। इसी के तहत ₹क्ले वर्क वर्कशॉप₹ का आयोजन बाल भवन में किया जा रहा है, जिसमें मिट्टी के द्वारा विभिन्न प्रकार के सजावटी चीजों को बच्चो को बनाना सिखाया जा रहा है। इससे बच्चो में उनकी सृजन क्षमता को उभारने में बाल भवन द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

बाल भवन के सहायक संचालक विष्णु प्रताप सिंह राठौर ने बताया कि बाल भवन इंदौर में लगातार इस प्रकार की अलग-अलग विधाओ में बच्चो को पारंगत करने हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मेहंदी कार्यशाला, ड्राइंग क्लास, कंप्यूटर क्लास, इंस्ट्रूमेंट म्यूजिक, स्पोकन इंग्लिश क्लास आदि का आयोजन इसी का उदाहरण है, जो बाल भवन में लगातार आयोजित हो रहा है। इन सभी शिविरों के माध्यम से बच्चो को टी.वी एवं मोबाइल की दुनिया से बाहर निकाल कर उनमें रचनात्मकता का विकास किया जा रहा है। बच्चों द्वारा भी उक्त आयोजित शिविरों में अत्यधिक उत्साह से भाग लिया जा रहा है।

शिकायतों का बिजली अफसरों पर असर नहीं, रोजाना 8 घंटे रहती है बिजली घुल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

रोजाना सुबह 6.30 बजे से रात्रि 10 बजे के बीच में कम से कम 8 से 9 घंटे तक बिजली खुल रहती है। बिजली कंपनी की ओर से न तो कोई सुनने को तैयार रहता है और न ही शिकायतों का निराकरण होता है। लोग ऐसी उमस और गर्मी में पसीना पसीना होने पर मजबूर है। बिजली कंपनी विभाग में बार बार शिकायतें करने के बावजूद कुल सुनने को तैयार नहीं है कई मर्तबा तो अधिकारियों तक लोग पहुंच जाते हैं, लेकिन वहां पर भी शिकायतों का निराकरण नहीं होता है।

हर बार हर तरह के मेन्टेनेंस की बात तो कही जाती है लेकिन साल भर तक बिजली कंपनी के कर्मचारी मेंटेनेंस क्यों नहीं करते हैं और करते भी हैं तो फिर अचानक गर्मी के दिनों में फिर से मेंटेनेंस बारिश के पूर्व मेंटेनेंस ठंड के पूर्व मेंटेनेंस अब समझ से परे है कि आखिर यह मेंटेनेंस का काम कब पूरा होगा ? आज भी परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही है। बिजली कंपनी अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है और रोजाना 8 से 9 घंटे तक बिजली खुल रहती है। अंधेरे के साथ-साथ लोगों को भरी दोपहर में गर्मी और उमस के कारण परेशान होना पड़ रहा है। रोजाना कई घंटों तक बिजली गुल हो जाती है और कुछ जगह काम को लेकर घोषणा जरूर की जाती है ,लेकिन इससे आगे कुछ नहीं होता है।

एम.पी.आई.डी.सी. के कार्यकारी संचालक ने किया औद्योगिक क्षेत्र जेतापुर पलासिया एवं निमरानी निरीक्षण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

एम.पी.आई.डी.सी. के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति द्वारा आज औद्योगिक क्षेत्र जेतापुर पलासिया एवं निमरानी के साथ-साथ प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र लालबाग बासवी और तारापुर का भ्रमण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रजापति द्वारा विकसित अधोसंरचना की समीक्षा की गई। इस दौरान उनके द्वारा मेसर्स काशिदा अपैरल्स गारमेन्ट फैक्ट्री विजिट की गई यह कंपनी बीबा एवं रंगरीती ब्रांड के लिए वस्त्र निर्माण का कार्य करती है। काशिदा अपैरल्स में मुख्यतः क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

औद्योगिक क्षेत्र निमरानी का भी उनके द्वारा निरीक्षण किया गया एवं विगत कुछ समय में उद्योगपतियों द्वारा किए गए निवेदन के अनुसार एमपीआईडीसी द्वारा निमरानी औद्योगिक क्षेत्र में वृहद स्तर का अधोसंरचना के सुधार का कार्य किया गया। जिसकी भी उनके द्वारा समीक्षा की गई। कुछ जगहो पर वर्षाऋतु के पूर्व ड्रेनेज तत्काल सुधार हेतु संबंधितों का निर्देशित किया गया। प्रजापति द्वारा प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र लालबाग बासवि का भी निरीक्षण किया गया। इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास हेतु टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकि है जल्द ही लगभग 200 करोड़ की लागत से 216.72 हेक्टेयर भूमि पर विकास कार्य किए जायेंगे। विकास कार्य शुरू होने के पूर्व ही 2 बडी टायर निमार्ता कंपनियां डनलप टायर्स एवं योकोहामा इस क्षेत्र में मेगा फैक्ट्री लगाने हेतु अभिरुची व्यक्त कर चुकी है। औद्योगिक क्षेत्र तारापुर का विकास 256 हेक्टेयर भूमि पर किया जायेगा। इस क्षेत्र की प्रस्तावित लागत 346 करोड़ रुपये है। जिस हेतु प्रस्ताव भोपाल मुख्यालय भेजा जा चुका है। प्रजापति द्वारा खरगोन जिले में महाराज खेडी और निमरानी में चयनित की गई 100 हेक्टेयर भूमि का भी निरीक्षण किया गया एवं इस क्षेत्र के विकास हेतु प्राथमिक योजना तैयार करने हेतु संबंधितों को निर्देशित किया गया साथ ही आगरा-मुंम्बई रोड़ एवं प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों पर औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु ओर भूमि चिहिन्त करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

असाधारण सफलता पाने के 9 नियम...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, सौ प्रतिशत लोगों में सफलता पाने की चाहत होने के बाद भी 2 से 5 प्रतिशत लोग ही असाधारण ऊँचाइयों तक पहुँच पाते हैं याने असाधारण सफलता पा पाते हैं। मेरी नजर में इसकी मुख्य वजह दृष्टिकोण याने एटीट्यूड या दूसरे शब्दों में कहूँ तो जीवन को देखने के नजरिये का अंतर होता है।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

आइए आज हम असाधारण लोगों द्वारा अपनाए जाने वाले उन 9 नियमों को समझने का प्रयास करते हैं, जिन्हें अपनाकर हम अपने जीवन को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं-

पहला नियम – हर पल सीखने के लिए तैयार रहें – असाधारण रूप से सफल लोग हर क्षण सीखने के लिए तैयार रहते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि सीखे बिना जीवन में आगे बढ़ना संभव नहीं है। इसी वजह से वे हर स्थिति-परिस्थिति में सवाल पूछते हैं; नई बातों को जानने के लिए उत्सुक रहते हैं और अपना ज्यादातर समय विशेषज्ञ और रचनात्मक लोगों के साथ बिताते हैं। इसलिए दोस्तों, कभी भी सीखना बंद ना करें क्योंकि जब आप सीखेंगे, तब ही आप जीवन में आगे बढ़ेंगे।

दूसरा नियम – असफलता से डरें नहीं, सीखें– असाधारण सफल लोगों का मानना होता है कि असफलता, चुनौतियाँ और कठिनाइयाँ हमें सिखाने और बेहतर बनाने के लिए होती हैं। इसलिए वे उससे डरने के स्थान पर सीखते हैं। वे हर असाधारण परिस्थितियों या परिणामों को अनुभवों में बदलते हैं और उन अनुभवों से अपनी सोच को मजबूत बनाते हैं। इसलिए दोस्तों हमेशा याद रखिए, हर ठोकर एक नई दिशा दिखाती है।

तीसरा नियम – आगे की सोचें– सफल लोग केवल आज के विषय में नहीं सोचते, वे हमेशा दूरगामी लक्ष्यों को याद रख, कल की तैयारी आज करते हैं। वे अपने हर कदम को, अपने लक्ष्य से जोड़कर देखते हैं। इसलिए दोस्तों हमेशा याद रखिए, जो भविष्य की सोच रखता है, वही आज को सही दिशा देता है।

चौथा नियम – नेतृत्व करें– सफल लोग किसी और के रास्ता दिखाने का इंतज़ार करने के स्थान पर निर्णय लेते हैं और अपनी राह खुद बनाकर जीवन में आगे बढ़ते हैं। दूसरे शब्दों में कहूँ तो, वे खुद पहल करते हैं और चीजों को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी लेते हैं। इन लोगों का मानना है कि जो आगे बढ़ता है, वही रास्ता बनाता है।

पाँचवाँ नियम – जरूरी बातों पर ध्यान देना– सफल लोग जानते हैं कि उनके पास ऊर्जा और समय सीमित है। इसलिए वे अपनी ऊर्जा और समय का उपयोग बहुत सोच-समझकर करते हैं। वे बेवजह की बातों और कार्यों में अपनी ऊर्जा और समय गँवाने के स्थान पर उसे उन कार्यों में लगाते हैं जिससे वे अपना लक्ष्य पूरा कर सकें। वे जानते है कि फोकस ही सफलता की असली चाबी है।

छठा नियम – सकारात्मक सोच बनाए रखना– हर स्थिति-परिस्थिति में अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखना सफल लोगों की सबसे बड़ी ताक़त होती है। इसी वजह से वे हर क्षण उत्साहित रहते हैं और अपनी ऊर्जा से दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। वे मानते हैं कि जहाँ आशा है, वहाँ रास्ता है।

सातवां नियम – परिवर्तन को अपनाना– सफल लोग बदलाव से डरते नहीं है, बल्कि उसे बिना एक भी क्षण बर्बाद किए अपनाते हैं। वे नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना जानते हैं। उनका स्पष्ट मानना होता है कि जो बदलता है, वही टिकता है।

आठवाँ नियम – सबको साथ लेकर चलना– सफल लोग जानते हैं कि अकेले से बेहतर सबके साथ काम करना है। इसलिए वे टीमवर्क पर विश्वास रखते हैं और हमेशा दूसरों के विचारों को महत्व देते हैं। उनका मानना है कि एकता में शक्ति है और साथ मिलकर चलते हुए कर सपने को पूरा किया जा सकता है।

नवाँ नियम – सुबह की शुरुआत अच्छे से करना– सफल लोग अनुशासित जीवन जीने में विश्वास रखते हैं। इसलिए वे अपने हर दिन की शुरुआत अनुशासित रहते हुए, सही आदतों से करते हैं। वे कभी भी दिन की शुरुआत मोबाइल या ईमेल चेक करते हुए नहीं करते, ना ही वे देर तक सोते हैं। वे तो हर दिन की शुरुआत एक प्लान के साथ करते हैं। उनका स्पष्ट मानना होता है कि जैसी सुबह, वैसा पूरा दिन।

निष्कर्ष – अंत में निष्कर्ष के तौर पर मैं इतना ही कहूँगा कि असाधारण सफलता में जितना योगदान मेहनत का है, उतना ही सही सोच का भी है। अगर आप उपरोक्त 9 नियमों को अपनायेंगे तो आप जीवन के प्रति सही नजरिया विकसित कर पाएंगे। और जब नज़रिया सही होगा तो निश्चित ही आप आत्म-विकास की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ पाएँगे। याद रखियेगा दोस्तों, सोच बदलते ही, जीवन बदल जाएगा।

संघर्ष, साहस से आगे बढ़ी रीतु आई बस का स्टेयरिंग थाम अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने की दे रही है प्रेरणा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर एक कुशल शासिका होने के साथ-साथ एक साहसिक महिला भी थी। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में जो कार्य किये, वह बेमिसाल है। इसी परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है पिंक आई बस की महिला चालक सुश्री रीतु नरवाले।

एआईसीटीएसएल की पिंक आई बस की चालक सुश्री रीतु नरवाले आज महिलाओं को संदेश दे रही है कि अब महिलाएं भी स्टेरिंग थामकर यात्रियों को सफर कराने के साथ-साथ वह आत्मनिर्भर भी बन सकती है। हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण रीतु ने बचपन में ही तय कर लिया था की उसे नौकरी कर परिवार में हाथ तो बटाना ही है, लेकिन कुछ ऐसा क्षेत्र चुनना है जिसमें पुरूषों का वर्चस्व हो। इस मान से उसे ड्राइविंग का क्षेत्र बेहतर लगा। बस फिर क्या था- रीतु ने पहले दुपहिया वाहन स्कूटर और बाईक चलाना सीखा उसके बाद ऑटो-रिक्शा चलाना भी सीख लिया। इससे उसका आत्मविश्वास बड़ा तो रीतु ने चारपहिया वाहन चलाने का मन बनाया। इसी दौर में उसने इंदौर की स्वयंसेवी संस्था समान सोसायटी में संपर्क किया जो महिलाओं को रियायती दर पर ड्राइविंग का प्रशिक्षण देती है।

19 जून को सिकलसेल एनीमिया दिवस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। नेशनल हेल्थ मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में आज इंदौर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कायक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर, आलीराजपुर, बुरहानपुर, धार, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी एवं झाबुआ जिलों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में आर.सी.एच. सेवाओं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शहरी स्वास्थ्य कार्यकम, संजीवनी क्लीनिक की क्रियाशीलता, असंचारी रोग नियंत्रण, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तथा सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत बेहतर एवं निम्न प्रदर्शन करने वाले जिलों से उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली गई।

इंदौर में होगा जानवरों का अंतिम संस्कार, नगर निगम का हरियाणा की कंपनी से 3 करोड़ रुपये का अनुबंध

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम ने शहर में मृत जानवरों को जमीन में गाड़ने की परंपरा को खत्म करते हुए उनके विधिवत अंतिम संस्कार की नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए निगम ने हरियाणा की माइक्रोटेक कंपनी से पांच साल का करार किया है। यह कंपनी अंतिम संस्कार प्लांट का निर्माण, संचालन और रखरखाव करेगी। योजना पर करीब 3 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अब तक मृत जानवरों को गड्ढा खोदकर जमीन में दफनाया जाता था, जिससे बदबू और भूजल प्रदूषण की समस्याएं उत्पन्न होती थीं। इस समस्या के समाधान के लिए निगम

ने निजी कंपनियों से प्रस्ताव मांगे थे, जिनमें से पांच कंपनियों ने रुचि दिखाई और अंततः हरियाणा की कंपनी को चुना गया।

इंदौर बनेगा मध्य प्रदेश का पहला ऐसा शहर

नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि इस योजना के लागू होने के बाद इंदौर मध्य प्रदेश का पहला ऐसा शहर बन जाएगा, जहां मृत जानवरों का वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल तरीके से अंतिम संस्कार किया जाएगा। भविष्य में इस प्लांट में पालतू जानवरों का भी अंतिम संस्कार संभव होगा, जिसके लिए शुल्क निर्धारित किया जाएगा। इस पहल से न केवल स्वच्छता में सुधार होगा, बल्कि शहर में बढ़ते प्रदूषण को भी रोका जा सकेगा। यह योजना स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

भोपाल और ग्वालियर में पहले से मौजूद है यह सुविधा

भोपाल और ग्वालियर जैसे शहरों में पहले ही एनिमल इंसीनरेटर की सुविधा उपलब्ध है। भोपाल में 5 करोड़ की लागत से एक इंसीनरेटर लगाया गया है, जो प्रतिदिन 35-40 मृत जानवरों का अंतिम संस्कार कर सकता है। इसकी क्षमता प्रति घंटे 300 किलो और पूरे दिन में लगभग 4 टन शवों के अंतिम संस्कार की है। इसमें डबल स्क्रबर टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है, जो धुएं को ठंडा कर उसमें मौजूद हानिकारक कणों को फिल्टर करती है। ग्वालियर के केदारपुरा क्षेत्र में भी दो इंसीनरेटर 7-8 करोड़ रुपये की लागत से लगाए जा चुके हैं, जिससे वहां भी जमीन और भूजल को प्रदूषण से बचाया जा रहा है।

देश के अन्य शहरों में भी है अंतिम संस्कार की सुविधा

दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में मृत जानवरों के अंतिम संस्कार की यह व्यवस्था पहले से लागू है। दिल्ली, आगरा और कोटा जैसे शहरों में यह सिस्टम सफलतापूर्वक काम कर रहा है। खासकर आगरा में अंतिम संस्कार के बाद पशु अस्थियां परिजनों को विसर्जन के लिए सौंपी जाती हैं। यह व्यवस्था न केवल धार्मिक भावना का सम्मान करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी बेहद जरूरी मानी जा रही है। अब इंदौर भी इस आधुनिक सुविधा से लैस हो जाएगा, जिससे यह शहर एक नई मिसाल कायम करेगा।

महिला अपराधों व उनकें अधिकारों के प्रति जनजागरूकता हेतु विशेष आयोजन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में, महिला एवं बच्चों के विरूद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम को दृष्टिगत रखते हुए, इंदौर कमिश्नरेट के थाना संयोगितागंज अंतर्गत श्यामाचरण शुक्ला नगर में महिलाओं और बच्चियों को महिला अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गौरतलब है कि बालिकाओं एवं महिलाओं को सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने तथा उनकी सुरक्षा और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से सामुदायिक

पुलिसिंग के तहत पुलिस मुख्यालय के निदेर्शानुसार पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार के मार्गदर्शन में इन्दौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा ह्यह्यसृजन-नई दिशा नया गगनह्लह्ल सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अति. पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा) सुश्री संध्या राय, सहायक पुलिस आयुक्त संयोगितागंज श्री तुषार सिंह व थाना प्रभारी संयोगितागंज श्री सतीष पटेल एवं टीम ने क्षेत्र की श्यामाचरण शक्ल नगर में पहुंच करीब 300 महिलाओं व बच्चियों को महिलाओं से जुड़े सामान्य अपराधों, मानव दुव्यापार्र व सामाजिक बातों की जानकारी के साथ, पुलिस द्वारा चलाये जा रहे सृजन कार्यक्रम की रूपरेखा व उद्देश्य से भी अवगत करवाया।

राष्ट्रहित में आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों के उत्पादों का बहिष्कार करें: मालवा चैंबर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि अब समय की मांग है कि हम विदेशी वस्तुओं पर अपनी निर्भरता कम करें और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें, भले ही उनकी कीमत कुछ अधिक क्यों न हो। हमारे देश के बाजारों में आज भी अनेक ऐसे विदेशी उत्पाद उपलब्ध हैं, जिन्हें हम न केवल स्वयं बना सकते हैं, बल्कि बना भी रहे हैं।

मैं देशवासियों से विशेष अनुरोध करता हूं कि वे उन देशों द्वारा निर्मित वस्तुओं का पूर्णतः बहिष्कार करें, जिन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के समय पाकिस्तान का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन किया है। राष्ट्रहित में ऐसे देशों के उत्पादों का उपयोग किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। मालवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, इंदौर क्षेत्र, सभी व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों से अपील करता है कि वे प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से प्रेरणा लें और यह ठान लें कि वे किसी भी ऐसे विदेशी उत्पाद का आयात नहीं करेंगे जिससे हमारे शत्रु देशों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होती हो या जिससे देश की आत्मनिर्भरता को क्षति पहुँचती हो। मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय अभियान को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मालवा चैंबर सभी विक्रेताओं एवं उपभोक्ताओं से भी अनुरोध करता है कि वे देशहित में आगे आएं और विदेशी उत्पादों की बिक्री एवं उपयोग से बचें। मालवा चैंबर शीघ्र ही सभी संबंधित संगठनों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करेगा तथा आग्रह करेगा कि वे बाजारों में विदेशी वस्तुओं की बिक्री बंद करें एवं भविष्य में ऐसे उत्पादों का आयात न करने का संकल्प लें।

दिनदहाड़े लाखों की चोरी, गेट से कूदा चोर पुलिस ने देखे सीसीटीवी, वह भी हैरान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर, जिसे स्वच्छता में देशभर में पहले स्थान पर देखा जाता है, अब चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर सुर्खियों में है। शहर की सुरक्षित समझी जाने वाली कॉलोनियों में दिनदहाड़े हो रही चोरी की वारदातें न केवल आम जनता में भय का माहौल पैदा कर रही हैं, बल्कि पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। इंदौर के आसपास के चोरी करने वाले गैंग भी लगातार सक्रिय हैं। इस लाइव घटना को देखने के बाद पुलिस भी चौंक गई है। भंवरकुआं थाना क्षेत्र के साईं मंगल नगर निवासी मनीष चौधरी के घर में उस वक्त चोरी हुई जब वे निजी काम से खरगोन गए थे। दिन में ही अज्ञात चोर ने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये नकद चुरा लिए। चोरी की पूरी

वारदात सीसीटीवी में रिकॉर्ड. हुई है, जिसमें देखा जा सकता है कि आरोपी काफी देर तक इलाके में चहलकदमी करने के बाद घर में घुसा।

खरगोन गए थे मनीष चौधरी, घुस गया चोर

साईं मंगल नगर निवासी मनीष चौधरी ने पुलिस को बताया कि जब वह निजी कार्य से खरगोन गए हुए थे, उसी दौरान अज्ञात चोर ने उनके घर के दरवाजे का ताला तोड़कर लाखों रुपये नगद पर हाथ साफ कर दिया। सीसीटीवी फुटेज में चोर की पूरी गतिविधि कैद हुई है जिसमें स्पष्ट दिखाई देता है कि चोर पहले काफी देर तक घर के आसपास टहलता रहा। यह घटना बताती है कि चोर अब सिर्फ सुनसान इलाकों को नहीं, बल्कि सुरक्षित माने जाने वाली कॉलोनियों को भी अपना निशाना बना रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या हमारी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त है? चोरी की घटना के बाद पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान कर तलाश की जा रही है। लेकिन लगातार हो रही इस तरह की वारदातों के बावजूद पुलिस की गश्त और सतर्कता पर सवाल उठना लाजमी है। नागरिकों का कहना है कि पुलिस केवल घटना के बाद सक्रिय होती है, जबकि पूर्व-सतर्कता का अभाव है। इन घटनाओं से यह साफ हो जाता है कि केवल पुलिस पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी अपनी सुरक्षा को लेकर जागरूक होना होगा।

पुलिस देख रही सीसीटीवी

एसीपी देवेंद्र सिंह धुर्वे ने जानकारी दी कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि, नागरिकों का कहना है कि घटनाएं घटने के बाद ही पुलिस सक्रिय होती है, जबकि समय रहते रोकथाम के प्रयास नजर नहीं आते।

नीलिमा बोरासी: कुश्ती के अखाड़े से महिला सशक्तिकरण की मिसाल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की धरती ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि जब संकल्प दृढ़ हो, तो परंपराएं भी नए आयाम गढ़ती हैं। महिला पहलवान नीलिमा बोरासी ने अपने जुनून, संघर्ष और मेहनत से कुश्ती के अखाड़े में ऐसा इतिहास रचा, जो केवल खेल की जीत नहीं, बल्कि समाज की सोच में बदलाव की गूंज भी है।

नीलिमा का यह सफर यूं ही नहीं शुरू हुआ। इंदौर की प्राचीन कुश्ती परंपरा, जो देवी अहिल्याबाई होल्कर के समय से चली आ रही है, उनकी प्रेरणा बनी। देवी अहिल्याबाई होल्कर न सिर्फ एक आदर्श शासिका थीं, बल्कि उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण और पारंपरिक खेलों के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाई। उन्हीं के समय में इंदौर के राजवाड़ा में भव्य दंगलों की शुरूआत हुई थी, जो आज भी जीवंत हैं। नीलिमा बताती हैं कि जब उन्होंने कुश्ती शुरू की थी, तब समाज का रवैया बेहद नकारात्मक था। लड़की होकर कुश्ती? शादी कैसे होगी? लोग क्या कहेंगे? जैसे सवालों और तानों ने उनके परिवार को भी झकझोरा। यहां तक कि मोहल्ले और रिश्तेदारों द्वारा उनके माता-पिता को अपमानित भी किया गया। लेकिन नीलिमा ने हार नहीं मानी। उन्होंने सात-आठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया, मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग से डिप्लोमा प्राप्त किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीनियर नेशनल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब दिया।

हिन्दू लड़कियों को फंसाने के बाद मोहसिन उनकी दोस्ती रिश्तेदारों से भी कराता था

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

ड्रीम ओलंपिक शूटिंग एकेडमी के संचालक मोहसिन खान को लेकर नए खुलासे हो रहे है। लव जिहाद के अपराधों में वह अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भी शामिल करता था। युवतियों को पहले जाल में फंसता था। उन्हें पब, होटलों में ले जाकर पार्टियां करता था। फिर युवतियों की सहेलियों से भी दोस्ती बढ़ाता था। उन्हें भी अपने जाल में फंसाता था और रिश्तेदारों से भी उनकी दोस्ती कराता था। पुलिस को कुछ फोटो मिले है। जिसमे लड़कियों के साथ रिश्तेदार भी शामिल है।

सोशल मीडिया एन्फ्लूएंसर एक युवती के साथ भी मोहसिन के कुछ फोटो मिले है। राइफलों के साथ और महंगे वाहनों के साथ उनकी रील बनाने में मोहसिन मदद करता था। अभी तक इस युवती ने मोहसिन के खिलाफ शिकायत नहीं की है, लेकिन पुलिस इस युवती का भी पता लगा रही है,ताकि पूछताछ के बाद यह पता चल सके कि मोहसिन के अन्य रिश्तेदार और दोस्त कौन है, जो उसके साथ अपराध में शामिल रहते थे।

नशा भी कराता था

मोहसिन पब व होटलों में लड़कियों को ले जाता था और खुद की मिलेट्री फैमेली होने का रौब भी उन पर झाड़ता था। पार्टी के दौरान लड़कियों को नशा करवाता था। इसके बाद उनके अश्लील वीडियो लेकर उन्हें ब्लैकमेल करता था। यह भी पता चला कि आरोपी प्रशासन से रायफल के लाइसेंस दिलाने के नाम पर भी कुछ लोगों से ठगी कर चुका है। कुछ अफसरों से भी उनसे दोस्ती कर रखी थी। शहर के कुछ प्रतिष्ठित स्कूलों के बच्चे को भी वह बड़ी स्पर्धा में मौका देने का लालच देकर एकेडमी में बुलवाता था।

आपराधिक गतिविधियों में लिप्त शातिर बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इदौर नगरीय क्षेत्र मे अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा सक्रिय गुंडे बदमाशों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त द्वारा संबंधित जोन के पुलिस अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन पर कार्यवाही करते हुए 01 शातिर बदमाश को थाना हाजरी के लिए निर्बन्धन आदेश जारी किया है तथा 01 कुख्यात बदमाश को जिलाबदर किया गया है। आदतन बदमाश जो कि आपराधिक प्रवृत्ति के होकर उनके द्वारा क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था जिसमे- आरोपी 1. राजेश उर्फ तोता पिता मधु चौगने उम्र 22 साल, निवासी न्यू प्रकाश नगर झोपड़पट्टी इंदौर थाना राजेन्द्र नगर के विरुद्ध झगड़ा मारपीट, अवैध वसूली, गाली गलौज, जान से मारने की धमकी, चोरी, अवैध जहरीली शराब का परिवहन आदि विभिन्न गंभीर धाराओं के कई अपराध पंजीबद्ध है।

किसानों को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक सलाह देने के लिए प्रारंभ हुआ विकसित कृषि संकल्प अभियान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकी और वैज्ञानिक सलाह देने के उद्देश्य से इंदौर जिले में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की शुरूआत की गई है। अभियान का वर्चुअली शुभारंभ जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कदवाली बुजुर्ग से किया। राज्य शासन के निर्देश पर चलने वाला यह अभियान 12 जून 2025 तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जाएगा।

कदवाली बुजुर्ग में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि किसानों के हित में यह बहुत बड़ा अभियान है। इससे उन्हें कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिलेगी। श्री सिलावट ने हाल ही में केंद्र शासन द्वारा किसानों के हित में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री हुकुम पटेल, श्री रवि वाजपेई, श्री गोविन्द सिंह, श्री रमेश पटेल, उप संचालक कृषि कल्याण श्री सी.एल. केवड़ा और कृषि अभियांत्रिकी के इंजीनियर उपस्थित थे। अभियान के माध्यम से किसानों को खरीफ मौसम की क्षेत्रीय फसलों के लिए उन्नत कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) के प्रभावी उपयोग, सरकारी योजनाओं और कृषि नवाचारों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही किसानों से फीडबैक लेकर अनुसंधान को और उपयोगी बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

प्राधिकरण की संपदा शाखा में बार - बार चक्कर लगाने पर मजबूर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विकास प्राधिकरण कार्यालय में एक बार फिर से संपदा शाखा में नामांतरण से लेकर लीज रिन्यू और फ्री होल्ड के लिए चक्कर हुए लगाते लोगों को देखा जा सकता है। दरअसल यहां पर हेल्प डेस्क बराबर नहीं होने और जानकारी नहीं होने से लोग चक्कर लगाने पर इसलिए भी मजबूर हैं कि जानकारी का अभाव बना रहता है।

पिछले दिनों अधिकारियों की बैठक में सीईओ राम प्रकाश अहिरवार ने स्पष्ट पर निर्देश दिए हैं कि किसी तरह की शिकायत मिलने पर बाबू से लेकर संबंधित अधिकारी इंजीनियर पर कार्रवाई होगी काम में तेजी लाई जाए, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं हो रहा है। सम्पदा शाखा में लोग चक्कर लगाने पर मजबूर है। विकास प्राधिकरण कार्यालय में जानकारी का अभाव होने के कारण कई लोग अपने भूखंड मकान आदि का नामांतरण से लेकर फ्री होल्ड और लीज रिन्यू की जानकारी के लिए आते हैं जिन्हें जानकारी बराबर नहीं मिलती। दस्तावेज की जांच के दौरान कई तरह की कमी पाई जाती है ,तो लोगों को फिर से परेशान होना पड़ता है। इस तरह से देखा जाए तो आजकल लोगों को परेशानी हो रही है और प्राधिकरण बाद भी उनमें नामांतरण आदि कराने के लिए भी काफी मशक्कत करना पड़ती है। कई महीने हो जाते हैं, तब कहीं जाकर वह मुश्किल नामांतरण फ्री होल्ड और लीज रिन्यू जैसे काम हो पाते हैं। इसको लेकर नाराजगी जताई जा रही है और इसकी शिकायत जब प्राधिकरण सीईओ रामप्रकाश अहिरवार के पास पहुंचे तो उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि परेशानी न हो पाए, काम होना चाहिए। विकास प्राधिकरण कार्यालय में बाहर से आने वाले लोगों के लिए सुविधाएं भी नहीं है। पिछले दिनों तो पीने का पानी भी बराबर नहीं था जिसकी व्यवस्था की गई है। इस मामले को लेकर निर्देश सीओ। ने दिए हैं, जिसके अंतर्गत बाहर से आने वाले लोगों के लिए व्यवस्था हो प्राधिकरण कार्यालय के प्रथम मंजिल पर इस तरह की व्यवस्था लोगों को नहीं मिल रही है और एकल खिड़की पर काफी देर तक इंतजार भी करना पड़ रहा है। प्राधिकरण सीईओ रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि सभी को निर्देश दिए गए हैं। जो भी परेशानी होगी दूर होगी प्रकरण भी समय पर निपटाने की योजना है।

इंदौर जिले के सभी राजस्व न्यायालयों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

कलेक्टर आशीष सिंह ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में सम्पन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले के राजस्व न्यायालयों की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली की निगरानी अब और अधिक सुदृढ़ होगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि इंदौर जिले के सभी राजस्व न्यायालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इन कैमरों के माध्यम से अधिकारियों की उपस्थिति, प्रकरणों की सुनवाई की प्रक्रिया और अन्य गतिविधियों की निगरानी की जाएगी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंहकी अध्यक्षता में राज्सव अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में अपर कलेक्टर श्री रिकेंश वैश्य, श्री राजेन्द्र रघुवंशी, श्रीमती निशा डामोर, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार

सहित अन्य राजस्व अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि यह पहल राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है, जिससे आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बोर्ड रूम में समय पर उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी समय पर नहीं पहुंचते, जिससे कार्यों में देरी होती है। इसे रोकने के लिए बोर्ड रूम में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरा लगाने की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सख्त निर्देश दिए कि अविवादित नामांतरण के किसी भी प्रकरण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। तीन माह से अधिक लंबित एक भी मामला नहीं रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले-केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड की धरती पंजाब-हरियाणा को पीछे छोड़ेगी

छतरपुर ■

केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड की धरती पंजाब हरियाणा को पीछे छोड़ेगी। शराब से खराब कोई चीज नहीं शराब पीढ़ियों को बर्बाद कर देती है। कल्याणी विवाह योजना शुरू होगी। लाडली बहनों को आने वाले समय में तीन हजार रुपए माह की राशि दी जाएगी एवं किसानों भाइयों को पांच रुपए में बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। ये विचार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छतरपुर जिले के गौरिहार में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। वे आयोजन में शामिल होने खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचे थे। किंतु तेज आंधी-बारिश होने के कारण खजुराहो के निजी होटल में वर्चुअल कांफ्रेंस के माध्यम से बोल रहे थे।

छतरपुर जिले के प्रभारी मंत्री एंदल सिंह कंषाना, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, खजुराहो सांसद वी.डी. शर्मा, विधायक राजनगर अरविंद पटेरिया, विधायक बिजावर राजेश शुक्ला, विधायक छतरपुर ललिता यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, नगर पालिका अध्यक्ष छतरपुर ज्योति चौरसिया, खजुराहो नगर परिषद अध्यक्ष अरुण सिंह, पूर्व विधायक प्रदुम्न सिंह लोधी, चन्द्रभान सिंह गौतम, कमिश्नर डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत, आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी ललित शाक्यवार, कलेक्टर पार्थ जैसवाल, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के लिए एक लाख करोड़ की केन-बेतवा लिंक परियोजना प्रदान की है। इसके माध्यम से बुंदेलखंड की धरती हरियाणा-पंजाब की धरती को पीछे छोड़ेगी और उत्पादन दोगुना होगा और किसान भाई आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान भाइयों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए जहां दुनिया में मप्र में पहली बार किसान भाइयों को बिजली कनेक्शन 5 रुपए में दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार किसान

भाइयों को बिजली का बिल न देना पड़े इसके लिए दो हॉर्स पावर से 10 हॉर्स पावर तक के पंप भी दिए जाएंगे। जिससे उनकी बिल से छुट्टी होगी। पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। 25 से ज्यादा गाय भैंस पालने वाले किसान भाइयों को सरकार अनुदान देगी और दूध भी खरीदेगी। साथ ही जहां-जहां कृष्ण भगवान के चरण पड़े हैं वहां पर कार्य किया जाएगा एवं छतरपुर के जटाशंकर मंदिर के उचित प्रबंध एवं रखरखाव के लिए भी कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल में देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती पर पधार रहे हैं। इसमें हमारी प्रदेश की बहनें अवश्य पधारें। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी मप्र को मेट्रो ट्रेन, दो हवाई अड्डा सहित अन्य विकास कार्य प्रदेश को समर्पित करेंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार हमारी माता बहनों की आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए भी कार्य कर रही है। आने वाले समय में लाडली बहनों के लिए तीन हजार रुपए की प्रत्येक माह की राशि प्रदान की जाएगी। अभी 1250 की राशि दी जाती है। जो कि हमारी बहनों के लिए कम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार किसानों, बहनों एवं बेरोजगार युवक-युवतियों के उन्नयन के लिए कार्य कर रही है और रोजगार के अवसर भी सृजन किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार ने शराबबंदी के अंतर्गत अभी 19 धार्मिक शहरों में शराबबंदी की है। क्योंकि शराब सबसे खराब चीज होती है और इससे पीढ़ियां बर्बाद हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी इस पर और भी विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शराबबंदी के बाद भगवान जुगल किशोर की नगरी पन्ना में पहली बार जा रहा हूं। जहां भगवान के आशीर्वाद से हमें और भी प्रेरणा मिलेगी। सरकार ने सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले व्यक्तियों को अस्पताल तक पहुंचाने वाले व्यक्तियों को 25 हजार की राशि राहगीर योजना के माध्यम से दी जाएगी।

सीबीएसई ने बदला पढ़ाई का पैटर्न, कक्षा दो तक नहीं पढ़ाई जाएगी एबीसीडी

भोपाल ■

राजधानी के सीबीएसई स्कूलों के बच्चे एबीसीडी से पहले अ, आ, ई सीखेंगे। उन्हें मैंगों से पहले आम सिखाया जाएगा। सीबीएसई ने इसे निर्देश जारी किए है। जिसके तहत केजी से कक्षा दूसरी तक पढ़ाई केवल मातृभाषा में कराई जाएगी। यह इसी सत्र से लागू होगा। अगले 18 दिन बाद इसकी शुरूआत होगी। राजधानी में डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूल है। इनमें करीब दो लाख बच्चे हैं। अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे से अक्सर मातृभाषा से दूर रहने की शिकायत रहती है। जो अब दूर होगी। सीबीएसई के निर्देश के मुताबिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ये बदलाव हुआ है। तैयारी कर स्कूलों से रिपोर्ट मांगी गई है। अभिभावकों ने बताया हिंदी से बच्चे दूर हो गए है। वे लाल, पीले नीले रंगों को पहचानते ही नहीं। गिनती भी भूल गए। उन्हें रेड, यलो बताना पड़ता है। ऐसे में ये बेहतर कदम हैं। पीके मालवीय ने बताया बच्चों और बुजुर्गों के संवाद में कई बार रंग बेरंग हो जाते हैं। इन्हें अब हम वापस पास सकेंगे। बच्चे शुरूआत से ही सीखेंगे। पालक महासंघ के प्रबोध पांड्या के मुताबिक आम को आम कहने वाले बच्चे कम हो रहे है। वे उन्हें मैंगो के नाम से जानते हैं। शुरू में मदर टंग से वे उनसे वाकिफ हो सकते हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इलेक्ट्रिक व थर्मल बर्न मार्क की नहीं हुई जांच, हाईकोर्ट में रखा पक्ष

जबलपुर ■

केमिस्ट्री की प्रोफेसर ममता पाठक को अपने पति डॉ. नीरज पाठक की हत्या के मामले में निचली अदालत द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने इस फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की, जिसकी सुनवाई के दौरान उन्होंने स्वयं अपना पक्ष रखा। महिला प्रोफेसर की बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

ममता पाठक की दलील थी कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण इलेक्ट्रिक शॉक बताया गया है। मृतक के शरीर पर मिले जलने के निशान इलेक्ट्रिक और थर्मल दोनों प्रकार के थे, लेकिन इनकी तकनीकी जांच नहीं करवाई गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि घर में एमसीबी और आरसीसीबी जैसी सुरक्षा तकनीकें लगी थीं, जिससे शॉर्ट सर्किट या करंट से मौत होना संभव नहीं था। इसके बावजूद न तो एफएसएल टीम और न ही कोई विद्युत विशेषज्ञ घर की जांच के लिए भेजा गया। गौरतलब है कि छतरपुर जिला अस्पताल में पदस्थ 65 वर्षीय डॉ. नीरज पाठक की मौत 29 अप्रैल 2021 को उनके लोकनाथपुरम कॉलोनी स्थित घर में हुई थी। उनके शरीर पर पांच स्थानों पर इलेक्ट्रिक बर्न के निशान पाए गए थे।

विधायक जी ने अपने ही पीए को 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

अशोकनगर ■

मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां कांग्रेस विधायक हरिबाबू राय ने अपने ही पीए को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। पीए मनोज नामदेव ने स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ महिला का ट्रांसफर करवाने के लिए 50 हजार रुपए की मांग की थी।

पीए मनोज नामदेव ने महिला अधिकारी के भाई से पहले ही 30 हजार रुपए ले लिए थे। दूसरी किस्त के 20 हजार रुपए गुरुवार को देने थे, लेकिन उसके पहले ही विधायक को किसी ने फोन पर रिश्वत की बात बता दी। फिर क्या थाङ्कजब अंकित जाटव बचे हुए

20 हजार रुपए लेकर आया तो विधायक ने अपने पास बुलाकर मामले को जाना और पूछा कि किसने किस काम के लिए पैसे मांगे हैं। तो युवक ने पीए मनोज नामदेव का नाम लिया। इसके बाद विधायक ने तुरंत पीए को बुलाया। पहले तो मनोज पैसे लेने मुकर गया, लेकिन बाद में जब युवक ने पूरे मामले की जानकारी दी और सख्ती से बात की तो पीए ने पैसे लेने की बात मान ली। विधायक के कहने पर पीए ने पैसे वापस कर दिए। इधर, विधायक हरिबाबू ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर से पीए के ऊपर कार्रवाई की मांग की है।

पीए मनोज नामदेव- अंकित जाटव ने बताया कि मेरी बहन अशोकनगर में उलड के पद पर पदस्थ है। उसका ट्रांसफर गुना कराना चाहता था। इसके लिए मेरी बात विधायक के पीए मनोज नामदेव से हुई थी। उसने ट्रांसफर के बदले 50 हजार रुपए मांग की थी। मैंने कुछ दिन पहले उसे 30 हजार रुपए दे दिए थे। आज 20 हजार लेकर आया था।

देवर की शिकायत पर पकड़ाया भाभी का प्रेमी घर में मिली वशीकरण व अश्लील किताबें..

मंदसौर ■

मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के गरोठ में बीते दिनों एक युवक की शिकायत पर पकड़े गए उसकी भाभी के प्रेमी मुबारिक अंसारी के घर की तलाशी में पुलिस को चौंका देने वाली चीजें मिली हैं। घर से तंत्र-मंत्र व वशीकरण के साथ ही अश्लील किताबें बरामद हुई हैं। मुबारिक अंसारी के पास से पुलिस को एक फर्जी आधार कार्ड भी मिला है जिसमें उसने किसी दूसरे की फोटो पर अपनी फोटो लगाई हुई थी।

गरोठ पुलिस ने जब मुबारिक अंसारी को पकड़ा तो उसके पास एक फर्जी आधार कार्ड मिला था। जिस पर उसने अपनी फोटो लगाई हुई थी। आधार कार्ड में जो नाम व अन्य जानकारी थी वो उसी महिला के

दिव्यांग पति की है जिसके देवर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस को आरोपी के घर की तलाशी में फर्जी आधार कार्ड के साथ ही तंत्र मंत्र, महिला वशीकरण, अश्लील किताबें मिली हैं। पुलिस को आरोपी मुबारिक अंसारी के मोबाइल से कुछ महिलाओं के साथ फोटो भी मिले हैं। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया था जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इधर हिंदू संगठनों ने मुबारिक अंसारी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग करते हुए उस पर लव जिहाद का आरोप लगाया है।

युवक ने की थी शिकायत

मुबारिक के संबंध जिस महिला से है उसके देवर ने बीते दिनों मंदसौर में एसपी कार्यालय जाकर एक आवेदन दिया था। जिसमें भाभी पर ससुर व देवर के साथ मारपीट का आरोप लगाया था। जिसके बाद इस पूरे मामले का खुलासा हुआ है। इधर आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ग्रामीण डरे हुए है। ग्रामीणों के अनुसार मुबारिक जेल से आज नहीं तो कल बाहर आ जाएगा। फिर हमारे साथ तंत्र करेगा।

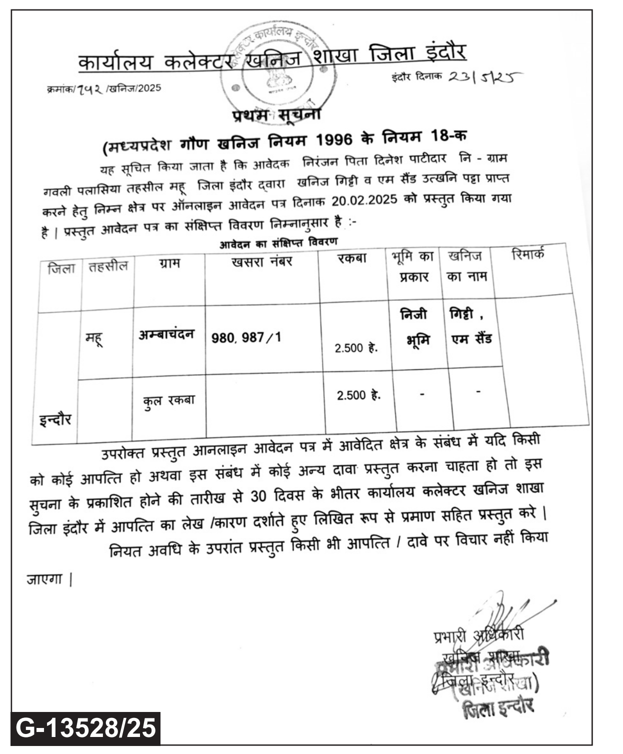

कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा जिला इंदौर

क्रमांक/१५२ /खनिज/2025

इंदौर दिनाक 23/5/25

प्रथम सूचना

(मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18-क

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक निरंजन पिता दिनेश पाटीदार नि - ग्राम गवली पलासिया तहसील महू जिला इंदौर द्वारा खनिज गिट्टी व एम सैंड उत्खनि पट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनाक 20.02.2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
इन्दौर	महू	**अम्बाचंदन**	**980, 987/1**	2.500 हे.	**निजी भूमि**	**गिट्टी, एम सैंड**	
		कुल रकबा		2.500 हे.	-	-	

उपरोक्त प्रस्तुत आनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सुचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा जिला इंदौर में आपत्ति का लेख /कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करे।

नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति / दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा
जिला इन्दौर

G-13528/25

अवैध निमार्णों पर चला बुलडोजर, तोड़े गए 10 मकान, कई परिवार हुए बेघर

सीधी ■

मध्यप्रदेश के सीधी जिले में कोर्ट के आदेश में बड़ी कार्रवाई की गई। कोर्ट के आदेश पर 10 प्रशासन ने बुधवार को 10 आदिवासी परिवारों के घरों को जेसीबी से गिरा दिया। इस कार्रवाई के करीब तीन दर्जन से अधिक आदिवासी बेघर हो गए हैं।

पूरा मामला जिला मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूर नगर पालिका अंतर्गत डैनिहा गांव का है। प्रशासन की ओर से बेघर हुए लोगों के लिए अस्थायी रुकने और भोजन की व्यवस्था की गई है। इधर, आदिवासी परिवारों का आरोप है कि वह इस जमीन पर 100 साल से अधिक समय से रह रहे हैं। जिनकी जमीन थी, उनके पूर्वजों की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने चोरी-छुपे न्यायालय में मामला दाखिल कर हमें घरों से बेदखल करवा दिया। गोपद बनास एसडीएम नीलेश शर्मा ने बताया कि कार्यवाही सिविल न्यायालय के निर्देश पर की गई है। सभी प्रभावितों को आश्रय स्थल में रखा गया है और उन्हें पट्टा व प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में पट्टा नहीं मिलने का कारण संभवतः आवेदन न किया जाना हो सकता है।

उपलब्धियों, तकनीक, शस्त्र उत्पादन, उद्योग, व्यापार को साझा किया

समदर्शी शासन, सेवा ने उनको लोकमाता बनाया

सतीश जोशी ■

होलकर रियासत के राजा मल्हारराव होलकर के जमाने से ही अहिल्याबाई ने शासन व्यवस्था में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। वे नीतिगत फैसलों में मल्हारराव होलकर का न केवल हाथ बंटाती थी, बल्कि वे सलाह भी देती थीं ।उनकी सलाह से शासन व्यवस्था में कई सुधार हुए। शासन व्यवस्था में पारदर्शिता के साथ-साथ शस्त्रागार का आधुनिकीरण और दूसरी रियासतों से भाईचारे का संबंध स्थापित करना रहा। एक दूसरे को अपने तकनीकी ज्ञान, अपनी उपलब्धियों से परिचित कराना और तकनीक को साझा करना, यह सब वे अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से ही कर पाईं।

महाराजा मल्हारराव होलकर के समय ही उन्होंने रियासतों में प्रतिनिधियों की नियुक्ति करना शुरू कर दिया था। जिसको आज हम कह सकते हैं कि कूटनीतिक संबंध स्थापित करना। अपनी कूटनीति के जरिए होलकर राज्य को कैसे समृद्ध और प्रगतिशीलता के साथ-साथ औद्योगिक, व्यावसायिक राज्य बनाया जा सकता है, इस पर उन्होंने काफी काम किया।

संपर्क, संवाद प्रणाली विकसित की

आगे जाकर जब शासन की बागडोर उनके हाथ में आई तब उन्होंने इस काम को बहुत तेजी से आगे बढ़ाया था। उनकी शासन व्यवस्था में एक बात और थी कि उन्होंने अपने प्रतिनिधियों और अपने संपर्कों, अपनी संवाद प्रणाली और सक्रियता के जरिए तमाम रियासतों में खासकर उन स्थानों पर जहां भारतीय परंपरा और संस्कृति के श्रद्धा केंद्र, धार्मिक स्थलों में अपनी सेवा को माध्यम बनाया। इससे वे होलकर राज्य को तो समृद्धशाली बना ही रहीं थीं, उन्होंने अपने आप को भी लोकमाता के रूप में स्थापित कर लिया।

अकेली अहिल्याबाई थीं जिन्होंने कर दिखाया

शासन व्यवस्था तब राजशाही कहलाती थी, उसको कैसे उसको कैसे समदर्शी लोक कल्याणकारी और सेवा के जरिए लोकप्रिय बनाया जा सकता है, यह प्रयोग शायद अकेली अहिल्याबाई थीं जिन्होंने कर दिखाया था। भारत के शक्ति केंद्र यानी धार्मिक स्थानों को जिन्हें आक्रांताओं ने खंडहर बना दिया था, लूट लिया था, उनका जिर्णोद्धार कर देश भर में अहिल्याबाई ने अपने आपको एक लोक माता के साथ-साथ सेवाभावी शासक के रूप में स्थापित किया। यह सब वे इसलिए कर पाईं कि उन्होंने सभी रियासतों में खास प्रमुख केदों पर अपने सेवा कार्यों के साथ-साथ अपने ऐसे प्रतिनिधियों की नियुक्ति की या ऐसे शासनदूतों को स्थापित किया, जो आज के दौर की कूटनीतिक व्यवस्था या जिसे कहा जा सकता है कि राजदूत व्यवस्था कह सकते हैं।

एक बेटी, एक बेटे की माँ थीं

महारानी अहिल्याबाई ने 1745 में एक पुत्र एवं उसके तीन वर्ष पश्चात एक कन्या को जन्म दिया। पुत्र का नाम मालेराव और कन्या का नाम मुक्ताराव रखा गया। कहा जाता है कि खंडेराव में भी जिम्मेदारी-बोध का स्फुरण-जागरण महारानी अहिल्याबाई की प्रेरणा से ही हुआ। वे उन्हें राज-काज एवं शासन-व्यवस्था में सहयोग प्रदान करती थीं। उन्होंने बड़ी कुशलता से अपने पति के स्वाभिमान एवं गौरव-बोध को जागृत किया। अपने पिता के मार्गदर्शन में खंडेराव कुशल योद्धा एवं निपुण शासक बनते जा रहे थे। मल्हारराव होल्कर अपनी पुत्रवधू अहिल्याबाई को भी राज-काज की शिक्षा देते रहते थे। अपनी पुत्रवधू की बुद्धि, कार्य-कुशलता, नीतिनिपुणता से वे बहुत प्रसन्न थे। परंतु दुर्भाग्य से 1754 ई. में खंडेराव का निधन हो गया। 1766 ई. में मल्हारराव भी इस संसार को छोड़कर देवलोक गमन कर गए।

मल्हारराव के निधन के बाद शासन संभाला

श्वसुर के देहावसान के पश्चात अहिल्याबाई के नेतृत्व में उनके बेटे मालेराव होल्कर ने शासन की बागडोर संभाली। पर उस समय अहिल्याबाई और मालवा पर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा, जब 5 अप्रैल 1767 को शासन की बागडोर संभालने के कुछ ही महीने बाद उनके बेटे की मृत्यु हो गई। कोई भी स्त्री जिससे थोड़े-थोड़े अंतराल पर उसके पति, श्वसुर, पुत्र का सहारा छिन जाए, उसके दुःख एवं मनःस्थिति की सहज ही कल्पना की जा सकती है! परंतु रानी अहिल्याबाई ने नियति एवं परिस्थिति के आगे

घुटने नहीं टेके। उन्होंने मालवा राज्य की प्रजा को अपनी संतान मानते हुए 11 दिसंबर 1767 ई. को शासन की बागडोर अपने हाथों में ली। थोड़े ही दिनों में महारानी की लोकप्रियता राज्य भर में फैल गई।

शस्त्र भी उठाए और मुकाबला भी किया

परिस्थितियों का लाभ उठाने के उद्देश्य से मालवा पर कुदृष्टि रखने वाले लोगों को मुंह की खानी पड़ी। अपने राज्य एवं प्रजा की रक्षा के लिए उन्होंने न केवल अस्त्र-शस्त्र उठाया, बल्कि अनेक युद्धों-मोर्चों पर स्वयं आगे आकर अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया।

इस तरह कूटनीति से युद्ध टाला- इतना ही नहीं, जब आवश्यकता पड़ी उन्होंने कूटनीति से भी काम लिया। राज्य हड़पने के उद्देश्य से जब राघोवा पेशवा ने मालवा पर आक्रमण के लिए अपनी सेना भेजी तो महारानी अहिल्याबाई के केवल एक पत्र से यह युद्ध टल गया और पेशवा ने उन्हें उनके राज्य की सुरक्षा का वचन दिया। उस पत्र ने पेशवा राघोवा की सुप्त चेतना को जागृत किया। उस पत्र के एक-एक शब्द ने उन पर नुकीले तीर-सा असर किया और उन्होंने महारानी से युद्ध का इरादा बदल दिया।

व्यापारी बनकर आए अंग्रेजों को भाप लिया था

महारानी इतनी कुशल एवं दूरदर्शी थीं कि व्यापारी बनकर आए अंग्रेजों और ईस्ट इंडिया कंपनी के फूट डालो और शासन करो की नीति को उन्होंने सबसे पूर्व भांप लिया था। उन्होंने तत्कालीन पेशवा प्रमुख को इस संदर्भ में पत्र लिखकर उन्हें सतर्क भी किया था। वे प्रतिभा को पहचानती थीं। उन्होंने अपने विश्वसनीय सेनानी सूबेदार तुकोजीराव होल्कर (मल्हारराव के दत्तक पुत्र) को सेना-प्रमुख बनाया था। वे उन पर भरोसा करती थीं और तुकोजीराव भी उनके प्रति अखंड निष्ठा एवं श्रद्धा रखते थे।

बेमिसाल सेवा के जरिये बनी लोकप्रिय

महारानी अहिल्याबाई का शासन-काल भले ही अल्प रहा, पर उन्होंने भावी भारत पर बहुत गहरा एवं व्यापक प्रभाव छोड़ा। अल्पावधि के अपने शासन-काल में उन्होंने अनगिनत निर्माण-कार्य करवाए। न केवल राज्य की सीमाओं के भीतर बल्कि संपूर्ण भारत वर्ष के प्रमुख तीर्थों और स्थानों में उन्होंने मंदिर बनवाए, पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया, कुओं, तालाबों, बावड़ियों का निर्माण करवाया, मार्ग बनवाए, सड़कों की मरम्मत करवाई, भूखों के लिए अन्नसत्र खुलवाए, प्यासों के लिए स्थान-स्थान पर प्याऊ लगवाए, तीर्थस्थलों पर धर्मशालाओं का निर्माण करवाया, शास्त्रों के अध्ययन-चिंतन-मनन-प्रवचन हेतु मंदिरों में विद्वान आचार्यों की नियुक्ति की।

सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी के भोपाल दौरे की तैयारियों की समीक्षा, आज जंबूरी मैदान का निरीक्षण करेंगे

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 31 मई को भोपाल आगमन को लेकर समत्व भवन स्थित मुख्यमंत्री निवास में तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शनिवार को जंबूरी मैदान में आयोजित होने जा रहे महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को ऐतिहासिक और प्रेरणादायी बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बैठक में दिए गए प्रजेंटेशन को देखा और की गई तैयारियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महासम्मेलन में पूर्वान्ह 11 बजे शामिल होंगे। यह आयोजन लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर हो रहा है, जिससे उनकी समाजसेवा और सांस्कृतिक योगदान की गूंज देश-विदेश तक पहुंचेगी।

सीएम 30 मई को करेंगे तैयारियों का स्थल निरीक्षण

डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और उत्थान के लिए समर्पित रहा। वह एक आदर्श शासक ही नहीं, बल्कि एक प्रेरक मां, बहू और पत्नी के रूप में भी समाज को दिशा देने वाली थीं। उनके योगदान से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव संभव हुआ और आज भी वह हमारी सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक बनी हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 30 मई को जंबूरी मैदान पहुंचकर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन की तैयारियों का स्थल पर निरीक्षण करेंगे।

बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता और अधिकारी रहे मौजूद

समीक्षा बैठक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद जी, मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति, मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मोदी के आगमन से पहले, 1500 से ज्यादा महिलाओं की 31 टीमें आज करेंगी रिहर्सल

भोपाल ■

राजधानी के जंबूरी मैदान में 31 मई को होने वाले महासम्मेलन को भाजपा ने महिलाओं को समर्पित किया है। महासम्मेलन के मंच को भी महिलाओं को समर्पित करते हुए पीएम मोदी के साथ पांचों महिला मंत्रियों को मंच साझा कराने की योजना बनाई गई है। अन्य महिला कार्यकताओं की तरह मंत्री भी तय ड्रेस कोड यानी सिंदूरी साड़ी पहने नजर आएंगी।

पीएम की अगवानी में भी महिला सांसद-विधायक, महापौर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी तय की गई है। महिला जनप्रतिनिधि दो जगह स्वागत करेंगी। पहले भोपाल एयरपोर्ट पर और फिर जंबूरी मैदान में। पुलिस मुख्यालय ने पीएम की सुरक्षा में लगे वाहनों के लिए विभिन्न बटालियन से 60 ड्राइवर मांगे हैं। यह ड्राइवर पीएम के कारकेड में लगे सुरक्षा वाहन चलाएंगे। ड्राइवरों को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए है। उधर, आंधी-बारिश के कारण आयोजन स्थल पर व्यवस्थाएं गड़बड़ा गई हैं। गुरुवार को कार्यक्रम स्थल पर फाइनल रिहर्सल की जाएगी। पीएम मोदी की व्यवस्थाओं में लगीं 1500 से ज्यादा महिलाओं की 31 टीमें रिहर्सल करेंगी।

हैवानियत, कुत्ते को डंडे से पीट-पीटकर दी मौत, शव बोरे में भर लगा दी आग, केस दर्ज

बेतुल ■

शहर में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई। बैतूल के गर्ग कॉलोनी में एक व्यक्ति ने कुत्ते को पहले बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला और फिर शव को बोरी में भरकर जलाने की कोशिश की। यह पूरी घटना मंगलवार रात करीब 12:30 बजे की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। घटना की पुष्टि होने पर पशु प्रेमी वर्षा पवार ने बैतूल गंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिसकर्मियों ने कुत्ते का अधजला शव माचना नदी किनारे से जब्त किया। आरोपी की पहचान कॉलोनी के ही हयात खान के रूप में हुई, जो घटना के बाद से फरार है।

हॉस्पिटल में हिस्ट्रीशीटर की पुलिसकर्मियों के साथ शराब पार्टी का वीडियो वायरल

उज्जैन ■

वैसे तो पुलिस और क्रिमिनल का रिश्ता हमेशा एंटी रहता है लेकिन मध्यप्रदेश के उज्जैन में इससे उलट एक मामला सामने आया है। यहां एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश का हॉस्पिटल में पुलिसकर्मियों के साथ शराब पार्टी करते हुए और ताश खेलते हुए वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और तुरंत एसपी ने पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। जो वीडियो सामने आया है वो चरक अस्पताल की चौथी मंजिल पर जेल वार्ड के पास बने केबिन का है। इसमें जो हिस्ट्रीशीटर पुलिसकर्मियों के साथ शराब पार्टी और ताश खेलते दिख रहा है उसका नाम अजय सिंदल है जो कि अपने चाचा पर जानलेवा हमले के आरोप में पकड़ा गया है।

बदमाश कैदियों की एशगाह बना जिला अस्पताल

गुरुवार को भी जो वीडियो सामने आया उसमें पुलिस कर्मी केबिन में वर्दी खूंटी पर टांग हिस्ट्रीशीटर अजय सिंदल के साथ शराब और जुआं पार्टी कर रहे हैं। जबकि आरोपी को चरक के डॉक्टर ने हाई ब्लड प्रेशर का मरीज बताते हुए उसकी शुगर भी हाई बताई है। इसी रिपोर्ट के आधार पर उसे 15 दिन के लिए डॉक्टर ने अस्पताल के वार्ड में भर्ती कर रखा है। लेकिन बीपी और शुगर दोनों का ही इलाज अस्पताल में किस तरह से हो रहा है ये अब सामने आ चुका है। मजे की बात यह है कि महज 101 दिन में हिस्ट्रीशीटर अजय दूसरी बार चरक अस्पताल के वार्ड में पहुंचा है।

सगे चाचा पर किया था जानलेवा हमला

वीडियो में दिख रहा हिस्ट्रीशीटर अजय सिंदल ने 1 सितंबर 2024 को निजातपुरा में अपने सगे चाचा अनिल सिंदल निवासी ढोली गली पर प्रापर्टी विवाद में धार दार हथियार से हमला कर दिया था। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इससे पहले फरवरी के महीने में अजय सिंदल बीमारी का बहाना बनाकर चरक में भर्ती हुआ था और तब भी डॉक्टर ने उसे हाईब्लड प्रेशर और शुगर का मरीज बताया था और करीब 15 दिन तक अस्पताल में गुजारने के बाद वो वापस जेल चला गया था। अब एक बार पिछले 12 दिनों से चरक में भर्ती है।

एमपी को 3 नई ट्रेनों की सौगात, रीवा, जबलपुर और ग्वालियर से चलेंगी..

भोपाल ■

मध्यप्रदेश के रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। मध्यप्रदेश को रेल मंत्रालय ने तीन नई ट्रेनों की सौगात दी है। ये तीनों नई ट्रेनें अगले महीने यानी जून के महीने से चलेगीं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को एमपी को तीन नई ट्रेनों की सौगात मिलने की जानकारी मीडिया को दी है। इसके साथ ही बुधवार को सीसीईए की बैठक में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र को मिली भारतीय रेल में दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं की मंजूरी पर भी उन्होंने जानकारी दी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीडिया से बात करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मध्यप्रदेश को तीन नई ट्रेनों को सौगात मिली है। तीनों नई ट्रेनें जून के महीने में शुरू होंगी। जो तीन नई ट्रेनें चलाई जाएंगी उनमें पहली रीवा-जबलपुर-पूना, दूसरी जबलपुर-बालाघाट-रायपुर और तीसरी ग्वालियर-भोपाल-बेंगलुरू हैं। इन तीनों ट्रेनों का टाइम टेबिल तैयार कर लिया गया है जो कि दो से तीन दिन में जारी कर दिया जाएगा।

रतलाम-नागदा तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी रेल लाइन को मंजूरी के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंन बताया कि रतलाम-नागदा तीसरी-चौथी रेल लाइन का काम 2030 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही कटनी में चल रही रेल लाइन दोहरीकरण योजना को लेकर रेल मंत्री ने बताया कि इस काम को इसी साल पूरा कर लिया जाएगा।

शिक्षा विभाग में बड़ा फजीर्वाड़ा ! मजदूर को कर्मचारी बता बेटे को दे दी अनुकंपा नियुक्ति

पिछले महीने आया था नियुक्ति का आदेश

रीवा ■

मध्य प्रदेश के रीवा शिक्षा विभाग में अनुकंपा नियुक्ति से जुड़ा फजीर्बाड़ा सामने आया है। ऐसी शिक्षिका के नाम पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है जो विभाग में कभी रही ही नहीं। फर्जी दस्तावेज शिक्षिका की नौकरी के ही नहीं, बल्कि आवेदक के स्थाई पते के भी लगाए गए। करीब महीनेभर की सेवा पूरी होने संबंधित ने वेतन मांगा तो दस्तावेजों की जांच शुरू हुई। पता चला कि सब फर्जी है। मामला कलेक्टर तक पहुंचा। जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच कमेटी बनाई है। अनुकंपा नियुक्ति भी निरस्त कर दी है।

अनुकंपा नियुक्ति का आदेश 11 अप्रैल 2025 को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी हुआ था। कथित तौर पर शासकीय प्राथमिक शाला देरा (मऊगंज) में पदस्थ रही सहायक शिक्षक बेलाकली कोल की 16 मई 2023 को मृत्यु के बाद पुत्र बृजेश कुमार कोल को भृत्य पद पर अनुकंपा नियुक्ति का उल्लेख था। नियुक्ति गंगेय ब्लॉक के माध्यमिक विद्यालय जोड़ौरी में दी गई थी। बृजेश ने जोड़ौरी में 17 अप्रैल को ज्वाइन करा लिया गया। संबंधित ने जब अप्रैल का वेतन मांगा तो जोड़ौरी प्राचार्य ने दस्तावेजों की जांच की। मामला संदिग्ध लगा तो डीइओ को बताया।

इनका कहना है

इस पर जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही जांच टीम गठित कर दी गई है और प्रथम सूचना के आधार पर नियुक्ति भी निरस्त कर दी गई है। जिस स्तर पर गड़बड़ी होगी संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। वहीं कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि डीईओ को जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। फजीर्वाड़ा पाया गया तो संबंधित के विरुद्ध एफआइआर के साथ ही विभाग के जिमेदारों पर भी कार्रवाई होगी।

बीवी से मिलने आए आशिक को पति ने रंगेहाथ पकड़ा और फिर

धार। मध्यप्रदेश के धार के कानवन थाना इलाके के एक गांव में एक युवक ने पत्नी से मिलने आए उसके कथित प्रेमी को रंगेहाथों पकड़ लिया। प्रेमी को पकड़ने के बाद युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर पहले तो कथित प्रेमी को एक कमरे में बंद कर कपड़े उतारकर उसकी जमकर पिटाई की। इतना ही नहीं पिटाई करते वक्त कथित प्रेमी का वीडियो भी बनाया और फिर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। बताया जा रहा है कि गांव एक की शादीशुदा महिला को घर पर अकेला देखकर कथित प्रेमी उसके घर पहुंच गया। तभी इसकी जानकारी महिला के पति को लगी तो वह अपने साथियों के साथ घर पहुंचा और आरोपी को पकड़ लिया।

मध्यप्रदेश में बनेगी नई तहसील, महाराज छत्रसाल जयंती समारोह में सीएम यादव ने दी सहमति...

90 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों की सौगात

पन्ना ■

मध्यप्रदेश के पन्ना में मुख्यमंत्री मोहन यादव गुरुवार को महाराज छत्रसाल जयंती समारोह में शामिल हुए। सीएम ने यहां एक तरह जहां हितग्राही सम्मेलन को संबोधित किया तो वहीं 90 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकासकार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया। इस दौरान सीएम ने धरमपुर को तहसील बनाए जाने की मांग को मंजूरी दी और जुगल किशोर लोक का बजट बढ़ाए जाने का ऐलान भी किया।

पन्ना में सीएम मोहन यादव ने पहले तो छत्रसाल पार्क में महराजा छत्रसाल की जयंती समारोह में हिस्सा लिया और उनकी प्रतिमा माल्यार्पण किया। इसके बाद सीएम ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राही सम्मेलन को संबोधित करते हुए 90 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया। सीएम मोहन यादव ने इस दौरान पन्ना जिले के लिए कई घोषणाएं की और भगवान जुगल किशोर लोक के बजट को बढ़ाए जाने का भी ऐलान किया।

धरमपुर को तहसील बनाने पर सहमति

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सीएम मोहन यादव से धरमपुर को नई तहसील बनाने की मांग की तो सीएम ने इस पर अपनी सहमति दी। सीएम ने पन्ना जिले के बृजपुर में कॉलेज खोलने के साथ ही छत्रसाल मैदान के उन्नयन की घोषणा भी की। सीएम मोहन यादव ने विधानसभा चुनाव के वक्त की गई घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज खोलने की जो घोषणा की थी उसके उद्घाटन के लिए भी वो जल्द पन्ना आएंगे।

यूं ही नही बनी रानी से मां और फिर देवी अहिल्या बाई होल्कर

दूरदर्शी मां अहिल्या ने शुरू की विधवा पेंशन, नारी सशक्तिकरण की सशक्त हस्ताक्षर

आसान नही होता सत्ता के कठोर अपरिहार्य चलन को ढकेल कर, ममता को बरकरार रखते हुए सामाजिक रुढियों को तोड पाना। बात जब सदियों के काबिज धर्म और पारिवारिक रस्मों और दौर को बदलने की हो तो अच्छे से अच्छे रणनीतिकार, राजनितिज्ञ भी विरोध के डर से हिम्मत नहीं जुटा पाते है। इस रानी की न्याय प्रियता, शासन संचालन और धार्मिक कार्यों घाटों के निर्माण पर बहुत कछ लिखा गया। लेकिन हम बात करके देवी अहिल्या के नारी उत्थान की दिशा ने किए गए दूरदर्शी कार्यों की।

लेकिन होल्कर घराने की बहु रानी अहिल्या बाई होल्कर महिला सेना का गठन करने वाली उस दौर की वे शायद प्रथम ही शासक थी। इतना ही नही युद्ध में मारे गए सैनिकों की विधवाओं को सामाजिक और आर्थिक रुप से सक्षम बनाने की पहल उन्होंने ही की। देश में पहली बार विधवा पेंशन की शुरूआत हुई। यही वजह है कि उनकी आयु भले ही 70 वर्ष रही हो लेकिन कई पीढियों को, दशकों तक चार सदी बीत जाने के बावजूद भी रानी अहिल्या आज भी प्रासंगिक है। इतना ही नहीं, पाखंडी धर्मवेताओं के विरोध को अकाट्य तर्कों, संयम तो कभी कडक निर्णय ले चुनौती देने से भी नही चुकी रानी अहिल्या। और इस तरह समाज के बड़े वर्ग को महिला शिक्षा का अधिकार दिलवाया। कानून को पालन करवाने में महज कडक रुख नही अपनाया वरन ऐसे मानवीयता को प्राथिमकता देते हुए नए कानूनों की ईबारत लिखी जो आज भी अनुकरणीय है। मसलन, विधवा संपति जप्त होने के कानून को समाप्त किया, विधवा पेंशन लागू की, सती प्रथा को समाप्त किया और महिलाओं के रोजगार की चिंता कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। उनके द्वारा स्थापित माहेश्वरी साड़ी का उद्यो ग आज भी कई परिवारों की रोजी रोटी है। खासकर महिलाएं इसे बखूबी चला रही है। जहां तक बात है पेंशन की तो उस समय यह कानून था कि, अगर कोई महिला विधवा हो जाए और उसका पुत्र न हो, तो उसकी पूरी संपत्ति सरकारी खजाना या फिर राजकोष में जमा कर दी जाती थी, लेकिन अहिल्याबाई ने इस कानून को बदलकर विधवा महिला को अपनी पति की संपत्ति लेने का हकदार बनाया। महिलाओं के उत्थान के लिए और लड़कियों को अच्छी शिक्षा के साथ रोजगार मिले इसके लिए भी काफी कार्य किए। महाराष्ट्र के चौंडी (वर्तमान में हमदनगर जिले) गांव के एक साधारण परिवार में अहिल्या का में हुआ था। इस छोटी सी बालिका ने बडे-बडे योद्धाओं को धूल चटाई। लेकिन जनता के प्रति राजकाज की कठोरता को कभी हावी नही होने दिया। मां नाम है संपूर्णता, समर्पण और बगैर भेदभाव किए बच्चों के खातिर खतरे मोल लेने का। भले ही अहिल्या माता ने मालवा प्रांत की सूबेदारी का रसूख और रुतबा पाया लेकिन अपने अंदर के ममत्व को जनता के खातिर खोल कर रख दिया। निजी जीवन के मृत्यु तुल्य दर्द, जब पति खांडेराव होल्कर की असामयिक मृत्यु हुई, महज 19 वर्ष

की उम्र में ही विधवा हो जाना या फिर पुत्र का उम्मीद पर न उतरना, का असर रानी अहिल्या ने कभी अपने शासन संचालन में नही आने दिया। सन् 1766 ई.। में वीरवर ससुर मल्हारराव भी चल बसे। अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से एक महान साया उठ गया और इस तरह उन्हें अकेले शासन की बागडोर संभालनी पड़ी। एक साध्वी की भांति राजवाड़ा स्थित गद्दी पर निर्विकार भाव से संचालन किया। जिस बात को धोतक है शिवलिंग को राजग?द्दी पर विराजित कर राज्य की कारवाई करना न कि खुद उस गद्दी पर बैठना। जहां तक हो सका शक्तिशाली अहिल्या बाई ने युद्ध के बजाय सुलह को तवज्जो दी। उनके अनुसार जीत किसी की भी हो, उजड़ता एक नारी का घर ही है। राजा राघोवा पेशवा ने युद्ध का इरादा कर सेना को मालवा पर खड़ा कर दिया। इस युद्ध का समाधान अहिल्याबाई ने मात्र एक पत्र से ही कर दिया। इस पत्र में महारानी ने लिखा था कि 'मेरे पूर्वजों के बनाए और संरक्षित किए राज्य को हड़पने का सपना राघोबा आप मत देखिए। अगर आप आक्रमण के लिए आमादा हैं तो आइए, द्वार खोलती हूं। मेरी स्त्रियों की सेना आपका वीरता से सामना करने को तैयार खड़ी हैं। अब आप सोचिए। आप को हार मिली तो संसार क्या कहेगा, राघोबा औरतों के हाथों हार गया। अगर आप जीत भी गए तो आपके चारण और भाट आपकी प्रशंसा में क्या गाएंगे? राघोवा सेना लेकर आया, एक विधवा और पुत्र शोक में आकुल एक महिला को हराने ताकि अपना लालच पूरा कर सके। पेशवाई किसे मुंह दिखाएगी?' इतना जानकर पेशवा ने अपना इरादा बदल दिया। लेकिन जब बहुत आवश्यक हुआ तो तीरंदाज और तलवार बाजी के योद्धाओं को मात देने वाली देवी अहिल्याबाई ने मालवा की जनता के खातिर अपनी महिला सेना के साथ, कई युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लखेरी, मंदसौर और पानीपत के युद्धों में मराठा सेना का नेतृत्व किया। 1793 में लखेरी के युद्ध में जीत हासिल की। मंदसौर का युद्धः अहिल्याबाई ने मंदसौर के युद्ध में भी मराठा सेना का नेतृत्व किया और इस युद्ध में भी सफलता प्राप्त की। मराठा शासिका अहिल्याबाई ने पानीपत के युद्ध में भी मराठा सेना का नेतृत्व किया। जनता का हित, युद्ध को अपनी चतुराई से तो कभी शौर्य से टाल कर अनगिनत माताओं की कोख और कई सुहागनों के सिंदूर मिटने से बचा लिया। उनके शांत और शौर्य से ओतप्रोत जीवन का प्रतिबिंब महेश्वर का किला आज भी जब चांदनी में नहाता है तो दूर-दूर से पर्यटकों का मन मोह लेता है। एक अलग ही तरह का सुकुन महसूस करते है आंगुतक। इस किले के सामने अतिसुंदर शांत लेकिन चंचल मां नर्मदा की लहरे-मां अहिल्या के सकारात्मकता से भरे विचारों और कार्यों की कहानी बयां करती है। यही वजह है शायद निमाड जहां के ग्रीष्मकाल के दिन रात भयंकर गर्मी के लिए जाने जाते है, तापमान 45 डिग्री तक छू जाता है लेकिन इसके बावजूद लोग दूर-दूर शहरों के पर्यटक गर्मी में इस किले के सामने मां नर्मदा के तट सुकुन पाते है क्योंकि वहां रानी अहिल्या की नही मां अहिल्या के मातृत्व भाव की ठंडक है, सकारात्मकता का संचार हो रहा है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही परिवार की लॉटरी खुली

राजनीति में नैतिकता अब पूरी तरह से खत्म हो गई है। सत्ता में बैठे हुए राजनेता अपनी शक्तियों का उपयोग स्वयं के लिए, परिवार और इष्ट मित्रों को ध्यान में रखते हुए सत्ता का उपयोग कर रहे हैं। यह बात इसलिए कहीं जा रही है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी माह में राष्ट्रपति पद की शपथ ली। उसके बाद वह जिस तरह की नीतियां बना रहे हैं। उन नीतियों के कारण दुनिया भर के उद्योगपतियों और राज नेताओं को यह बात समझ आ गई है। यदि उन्हें अपना कारोबार बचाना है, तो ट्रंप का आशीर्वाद जरूरी होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और परिवार के अन्य सदस्य इन दिनों दुनिया के देशों में घूम-घूमकर, गिफ्ट इकट्ठी कर रहे हैं।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

ट्रम्प परिवार अपने व्यापार में वृद्धि करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वियतनाम, इंडोनेशिया जैसे एशियाई देशों में ट्रंप के परिवार ने अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट हासिल कर लिए हैं। अमेरिका की सरकार से अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए करीब एक दर्जन देशों में ट्रंप के परिवार की खूब खातिरदारी हो रही है। उन्हें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट दिए जा रहे हैं। ऐसे दर्जनों मामले अभी तक सामने आ चुके हैं। ट्रंप को अमेरिका का राष्ट्रपति बने हुए अभी 5 माह भी पूरे नहीं हुए हैं। ट्रंप परिवार की कमाई इन 5 महीनों में कई गुना बढ़ गई है। हजारों करोड़ रुपए के नए-नए प्रोजेक्ट ट्रंप परिवार की कंपनियों को मिले हैं। ट्रंप अमेरिकी सरकार के जो भी निर्णय कर रहे हैं। उसमें उनके परिवारजनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ट्रंप के परिवार ने पिछले 5 महीने में एक दर्जन से ज्यादा देशों में अपना कारोबार फैलाया है। टैरिफ को लेकर दुनिया के सभी देशों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भयाक्रांत किया है। जिसके कारण दुनिया भर के उद्योगपति और विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, ट्रम्प को प्रभावित करने के लिए उनके परिवार के साथ अपने रिश्ते बेहतर करके, गंगा में नहाने का पुण्य प्राप्त कर रहे हैं। वियतनाम के विन फुक प्रांत में 13000 करोड़ रुपए का ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ रिसॉर्ट प्रोजेक्ट इसका ताजा मामला है। वियतनाम की सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता बताकर भूमि अधिग्रहण और वित्तीय छूट देकर ट्रंप परिवार के लिए कमाई के नए अवसर खोल दिए हैं। इसी तरह का एक प्रोजेक्ट इंडोनेशिया के बाली में गोल्फ कोर्स और होटल इत्यादि के लिये ट्रम्प परिवार को मिला है। इसमें भी इंडोनेशिया की सरकार ने सभी नियम कानून को दरकार करते हुए ट्रंप परिवार के ऊपर मेहरबानी की है। दुनिया के देशों में सत्ता में बैठे हुए सत्ताधीश खुले आम अनैतिक रूप से काम करने लगे हैं। नैतिकता की कोई स्थिति देखने को नहीं मिल रही है। सत्ता में बने रहने के लिए हर स्तर पर सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। निजी हितों को ध्यान में रखते हुए नियम, कायदे और कानून बनाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का स्वरूप तेजी से बदला है। उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं पूरी तरह से खत्म होती जा रही हैं। एक तरह से पूंजीवादी व्यवस्था शासन व्यवस्था का अंग बनती जा रही है। आर्थिक कारणों से सत्ता में बैठे हुए लोग पक्षपात पूर्ण निर्णय कर रहे हैं। अमूमन यह स्थिति अधिकांश देशों में देखने को मिल रही है। राजनीति में आकर सत्ता के सिंहासन में बैठकर मनमाने तरीके से पैसे कमाने का जो चलन राजनेताओं के परिवारों और उनके पूंजीपति मित्रों में देखने को मिल रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग शासन व्यवस्था से दूर होता जा रहा है। शासन व्यवस्था में बैठे हुए लोग अब पूंजीपतियों और निजी हितों को ध्यान में रखते हुए सरकारी नीतियां बना रहे हैं। अमेरिका जैसे देश में जब यह सब खुले आम हो रहा है। इसका असर दुनिया के देशों में किस तरह का पड़ेगा, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के नाम पर जिस तरह की तानाशाही शासन व्यवस्था स्थापित होती जा रही है। उसके कारण अब गरीब और मध्यम वर्ग का गुजारा बहुत मुश्किल हो गया है। सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों में इस बदलाव के कारण दुनिया के देशों में अशांति फैलती जा रही है।

रक्षा में आत्मनिर्भरता के बढ़ते कदमों से बढ़ती सैन्य-ताकत

- ललित गर्ग - | लेखक

ऑपरेशन सिंदूर की शानदार कामयाबी, पाकिस्तान को करारी चोट पहुंचाने, विश्व को भारत की सैन्य ताकत दिखाने और अपने सैनिकों के अद्भुत पराक्रम के प्रदर्शन की गौरवपूर्ण स्थितियों के बीच एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत सरकार ने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी देते हुए इस परियोजना पर आगे बढ़ने को हरी झंडी दिखा दी है। निश्चित ही इस फैसले से दुनिया की महाशक्तियां चौंकी है, वहीं यह भारतवासियों के लिये एक नई आशा एवं संभावनाभरी खुशखबरी है। क्योंकि दुनिया की महाशक्ति बनने के लिये सैन्य साजो-सामान की दृष्टि से आत्म निर्भर होना प्रथम प्राथमिकता है। दुनिया पर वर्चस्व स्थापित करने का यह सबसे बड़ा आधार है कि हम सैन्य साजो सामान में स्वावलम्बी ही नहीं, निर्यातक बने। क्योंकि उन्हें दूसरे देशों से खरीदने में विदेशी पूंजी का व्यय होने के साथ कई तरह के दबावों का भी सामना करना पड़ता है। दूसरे देश अपनी शर्तों पर ये हमें उपलब्ध कराते हैं, अर्थ का व्यय भी स्वदेशी उत्पादन की तुलना में बहुत ज्यादा करना पड़ता है। जबसे रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई गई है, तब से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के ताजा फैसले के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों के शेयर जिस तरह उछले, उससे यही पता चलता है कि देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए नई दिशाओं को उद्घाटित कर रहा है।

ग्लोबल हेराल्ड

निश्चित ही पांचवीं पीढ़ी के उन्नत लड़ाकू विमानों का देश में ही निर्माण करने और उसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लेने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की घोषणा एक ऐसा फैसला है, जो दूरगामी एवं देशहित का सराहनीय कदम है। ऐसे फैसलों में बिना विलम्ब के प्रोत्साहन एवं सहयोग होना चाहिए। हमें निश्चित करना चाहिए कि आधुनिक लड़ाकू विमानों के निर्माण तय समय में हो, इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसे फैसलों से भारत की ताकत बढ़ती है, दुनिया की अधीनता कमतर होती है। गौरतलब है, अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में सफलता हासिल की है। इस योजना के जरिये दुनिया को यह संदेश देना है कि भारत अब पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने की बजाय खुद बनाने का काम करेगा। इस स्वदेशी विमान के डिजाइन और विकास के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की थी। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगी और डीआरडीओ के मुखिया की मानें, तो अगले एक दशक में यह लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना के बेड़े का हिस्सा होगा। निस्संदेह, हमारे रक्षा वैज्ञानिकों की सराहना की जानी चाहिए कि उनके अथक परिश्रम, तकनीकी कौशल और मेधा के कारण देश जल्द ही सुरक्षा साजो-सामान के मामले में भी आत्म-निर्भर बन जाएगा। इन स्थितियों के लिये जहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सराहना होनी चाहिए वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा मानना चाहिए।

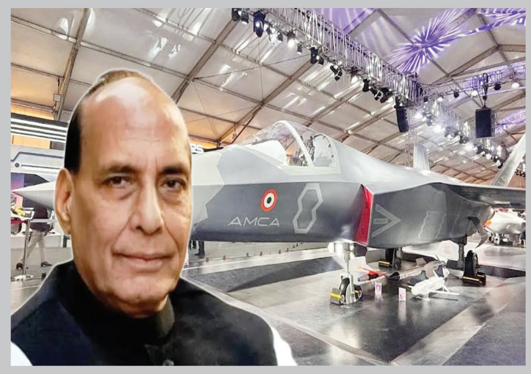

मौजूदा समय में भारत लड़ाकू विमान के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर है। सरकार ने इस दिशा में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले से घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। एएमसीए का विकास भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने और देश की रक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। पडोसी देशों की हरकतों, युद्ध की संभावनाओं एवं षडयंत्रों को देखते हुए आने वाले समय में होने वाले युद्ध में वायुसेना की क्षमता और तकनीक को अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा है। भारत हमेशा से एक शांतिकामी मुल्क रहा है, मगर अपनी सरहदों व विशाल आबादी की सुरक्षा के लिए वह दूसरे देशों के हथियारों या सुरक्षा उपकरणों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह सकता। विदेशी लड़ाकू विमानों या हथियारों की खरीद में उनके तकनीकी हस्तांतरण को लेकर कई तरह की पेचीदगियां पेश आती हैं। कई देश उन्नत रक्षा उपकरण तो दे देते हैं, लेकिन उनकी तकनीक नहीं देते या फिर उनके कलपुर्जे देने में देरी करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पर्याप्त संख्या में तेजस लड़ाकू विमान बनाने में इसलिए विलंब हो रहा है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए इंजन देने में आनाकानी कर रहा है। इसलिए एचएएल, डीआरडीओ की स्थापना की जरूरत मससूस की गई थी और आज इनके बनाए हथियार न सिर्फ हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन रहे हैं, बल्कि इस वजह से हमारा 20 फीसदी से भी अधिक सैन्य आयात कम हुआ है। आज हम अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुनिया को बेचने की स्थिति में हैं। मौजूदा समय में लड़ाकू विमान के लिए भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों और रूस पर निर्भर है। देश में लड़ाकू विमानों की कमी भी है। ऐसे में सरकार स्वदेशी निर्मित आधुनिक लड़ाकू विमान के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाकर सूझबूझ एवं दूरगामी सोच का परिचय दिया है। आज जब युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं, तब भारत को हर तरह की रक्षा सामग्री स्वदेश में ही बनाने में इसलिए सक्षम होना होगा, क्योंकि ऐसा करके ही वह सच्चे अर्थों में महाशक्ति बन सकता है। प्रारंभ में विदेशी कंपनियों का सहयोग लेने में हर्ज नहीं, क्योंकि ऐसा करके ही तेजी के साथ उन्नत रक्षा समाग्री का निर्माण किया जा सकता है। भारत आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक का निर्माण करने में सक्षम है, इसे आपरेशन सिंदूर ने साबित भी कर दिया। हमारे रक्षा उपकरणों और तकनीक ने जिस तरह तुर्किये के ड्रोन की हवा निकालने के साथ चीनी एयर डिफेंस की पोल खोल दी, उसे विश्व भर के रक्षा विशेषज्ञ भी मान रहे हैं। रूस के सहयोग से बनी ब्रह्मोस मिसाइल और स्वदेशी तकनीक पर आधारित आकाश ने सिद्ध किया कि हमारे रक्षा विज्ञानी किसी से कम नहीं। उन्हें भरपूर प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। भारत की रक्षा सेना दुनिया में सबसे शक्तिशाली और सम्मानित सेनाओं में से एक है, जो अपने आकार, ताकत और उन्नत तकनीक के साथ वैश्विक मंच पर धूम मचा रही है। चाहे सीमाओं पर गश्त करना हो, आसमान की सुरक्षा करनी हो या विशाल हिंद महासागर को सुरक्षित रखना हो, भारत की सेना एक ऐसी ताकत है जिसका लोहा माना जाना चाहिए। भारत का लक्ष्य सिर्फ.वैश्विक सैन्य शक्तियों के साथ बने रहनाभर नहीं है-यह उनके साथ है बल्कि अब उससे आगे भी आना है। किसी भी युद्ध या संघर्ष में वायु सेना की भूमिका निर्णायक हो चली है। हमास-इजरायल जंग हो या रूस-यूक्रेन लड़ाई, इस तथ्य को पूरी दुनिया स्वीकारती है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये हमारी वायु सेना ने भी दिखा दिया है कि किस सटीकता से शत्रुओं के लक्ष्य को मटियामेट करने में वह सक्षम है। ऐसे में भारतीय वायु सेना की जरूरतों पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है, जो केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन से पीछे है। यह स्थान इसके उन्नत विमान, बेहतर प्रशिक्षण और रणनीतिक महत्व के संयोजन के कारण अर्जित किया गया है। बहुमुखी राफेल जेट से लेकर शक्तिशाली सुखोई अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुसज्जित है। निश्चित ही भारत ने एक ऐसा सैन्य बल बनाया है जो ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें विशाल जनशक्ति, अत्याधुनिक तकनीक और गहन रणनीतिक फोकस का संतुलन है। यह अब सिर्फ.एक क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं है; भारत खुद को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। भारतीय वायुसेना के पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं, जो न केवल हार्डवेयर बल्कि मानवीय तत्व के कारण हवाई प्रभुत्व बनाते हैं। चाहे वह सीमाओं पर खतरों का जवाब देना हो या हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना हो, भारत की वायु सेना अपनी रक्षा रणनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो हमेशा आसमान की रक्षा के लिए तैयार रहती है।

सुप्रीम कोर्ट का मनोबल बढ़ाने वाला फैसला !

हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक व बड़े फैसले में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में महानिरीक्षक(आईजी) स्तर तक के आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति कम करने का निर्देश दिया है, ताकि कैडर अधिकारियों को अधिक अवसर मिल सकें। वास्तव में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला कैडर अधिकारिक के लिए मनोबल बढ़ाने वाला फैसला कहा जा सकता है। पाठकों को यहां यह बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि केंद्रीय सशस्त्र बलों (सीएपीएफ) में कैडर अधिकारियों की पदोन्नति में विलंब से उनके मनोबल पर ह्यप्रतिकूल प्रभाव' पड़ सकता है। गौरतलब है कि माननीय कोर्ट ने यह बात कही है कि जब सीएपीएफ को ओजीएएस घोषित किया गया है, तो ओजीएएस को उपलब्ध सभी लाभ स्वाभाविक रूप से सीएपीएफ को मिलने चाहिए, यह नहीं हो सकता कि उन्हें एक लाभ दिया जाए और दूसरे से वंचित रखा जाए।

यह बहुत ही काबिले-तारीफ है कि अब केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में ओजीएएस (संगठित समूह ए सेवा) के लिए बाकायदा छह माह की समय-सीमा भी तय कर दी गई है। कहना गलत नहीं होगा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सीएपीएफ अधिकारियों की पदोन्नति और उनको फाइनेंशियल प्रोफिट(लाभ) की उम्मीदें बंध गई हैं।इस क्रम में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने चार वर्ष से लंबित कैडर रिव्यू प्रक्रिया, उक्त अवधि में ही पूरी किए जाने के आदेश दिए हैं। यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि 3 सितंबर 2015 के दिन अदालत ने अपने फैसले में सीएपीएफ को 1986 से 'संगठित समूह ए सेवा' घोषित कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें इसका फायदा नहीं मिल पा रहा था। गौरतलब है कि सीएपीएफ (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल) में ओजीएएस का मतलब है 'संगठित समूह ए सेवा।' दरअसल,ओजीएएस एक ऐसा संगठन है जो भारत सरकार द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए बनाया गया है, जैसे कि आईएएस, आईपीएस, आईआरएस आदि। वास्तव में, सीएपीएफ को ओजीएएस का दर्जा मिलने का मतलब है कि सीएपीएफ के अधिकारी भी आईएएस, आईपीएस, आईआरएस और अन्य केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों के समान लाभ प्राप्त करेंगे, जैसे कि पदोन्नति और गैर-कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 3 जुलाई 2019 को, सर्वोच्च न्यायालय ने सीएपीएफ को ओजीएएस का दर्जा देने का आदेश दिया था। बहरहाल,सुप्रीम कोर्ट ने यह बात मानी है कि सीएपीएफ अधिकारी, देश की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और वे कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। दरअसल ,अदालत ने यह बात कही है कि 'देश की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने के साथ-साथ हमारी सीमाओं की रक्षा करने और देश के भीतर आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में उनकी समर्पित सेवा को अनदेखा या अनदेखा नहीं किया जा सकता है।' इसके बावजूद, सीएपीएफ के कैडर अधिकारी, अपने करियर में बहुत अधिक ठहराव का सामना कर रहे हैं। अदालत ने इन बलों में बतौर प्रतिनियुक्ति बाहर से आने वाले अधिकारियों की संख्या (सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड के स्तर तक) को धीरे-धीरे कम किए जाने के साथ ही उनकी सेवा अवधि अधिकतम 2 वर्ष तक सीमित करने की बात भी कही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस ग्रेड में आईजी(महानिरीक्षक)रैंक वाले अधिकारी आते हैं। यानी कुछ वर्षों के दौरान इन बलों में आईजी रैंक तक आईपीएस प्रतिनियुक्ति को खत्म किया जा सकता है। न्यायालय ने कहा है कि प्रतिनियुक्ति पदों में यह कमी सीएपीएफ कैडर अधिकारियों को बलों के प्रशासनिक कामकाज में अधिक भागीदारी करने की अनुमति देगी और लंबे समय से चली आ रही शिकायतों का समाधान करेगी। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने आदेश दिया है कि सभी सीएपीएफ में कैडर समीक्षा, जो वर्ष 2021 में होनी थी, आज से छह महीने की अवधि के भीतर पूरी की जाए। हालांकि, गृह मंत्रालय ने सीएपीएफ कैडर अधिकारियों की याचिका का विरोध करते हुए यह बात कही है कि आईपीएस अधिकारी पदानुक्रम का एक ह्यमहत्वपूर्ण हिस्सा' हैं। मंत्रालय ने यह बात कही कि चूंकि ये बल विभिन्न राज्यों में तैनात हैं, इसलिए आईपीएस अधिकारी सीएपीएफ के प्रभावी संचालन के लिए जरूरी हैं, जिससे संबंधित राज्य सरकारों और उनके संबंधित पुलिस बलों के साथ सहयोग की सुविधा मिलती है, जिससे संघीय ढांचे को संरक्षित किया जा सकता है। अंत में यही कहूंगा कि शीर्ष अदालत ने सीएपीएफ में महानिरीक्षक स्तर तक के आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति दो वर्षों में 'उत्तरोत्तर' करने का आदेश दिया है, ताकि कैडर अधिकारी अपने जायज हक से वंचित न हों और उन्हें पदोन्नति के अधिक अवसर मिलें। यह काबिले-तारीफ है कि सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को संगठित समूह-ए सेवाओं (ओजीएएस) का हिस्सा माना जाना चाहिए, न केवल गैर-कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन (एनएफएफयू) प्रदान करने के उद्देश्य से, बल्कि कैडर समीक्षा सहित सभी कैडर-संबंधी मामलों के लिए भी।वास्तव में, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि अदालत के आदेश से सीएपीएफ कर्मियों को बड़ी राहत मिलेगी, जो उच्च स्तर पर आइपीएस से बड़ी संख्या में प्रतिनियुक्ति के कारण अपने करियर में ठहराव का आरोप लगा रहे थे। उम्मीद की जा सकती है कि इस फैसले से पांचों केंद्रीय पुलिस बलों- सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी के कैडर अफसरों को उनका जायज हक (पदोन्नति, वित्तीय लाभ आदि) मिल सकेगा और उनकी कर्तव्य भावना और मजबूत हो सकेगी।

सुनील कुमार महला
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी।

वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशास्त्र के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था। आखिरकार अपनी मेहनत और संकल्प से उसने अपना सपना पूरा किया। वह एक महान वैज्ञानिक बन गया। आज दुनिया उस बालक को माइकल फैराडे के नाम से जानती है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुए। इसी के साथ ही पिछले दो दिनो से जारी गिरावट रुक गयी। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज सबह बाजार तेजी के साथ खुला वहीं दोपहर में बाजार में सपाट कारोबार हो रहा था पर अंत में निवेशकों की भारी खरीदारी से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 320.70 अंक (0.39 फीसदी की बढ़त के साथ ही 81,633.02 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 81.15 अंकों 0.33% बढ़कर 24,833.60 अंकों पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 में से 24 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं शेष 6 कंपनियों के शेयर नीचे आये। दूसरी ओर, आज निफ्टी 50 की 50 में से 37 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रही। वहीं शेष 13 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 2.49 फीसदी की बढ़त के साथ रहीजबकि बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 0.60 फीसदी नीचे आये। सेंसेक्स में शामिल अन्य कंपनियों में आज सनफार्मा के शेयर 2.11 फीसदी, एटरनल (जोमेटो) 1.83 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.78, टाटा स्टील 1.27, टेक महिंद्रा 1.24, एक्सिस बैंक 1.15, टाटा मोटर्स 1.05, कोटक महिंद्रा बैंक 0.97, इंफोसिस 0.95, एचडीएफसी बैंक 0.75, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.73, मारुति सुजुकी 0.69, पावरग्रिड 0.62, टाइटन 0.57 फीसदी की फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व के शेयर 0.30 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.21, आईटीसी 0.17, टीसीएस 0.15 और एनटीपीसी के शेयर 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

ट्रंप के इम्पोर्ट बिल पर रोक से शेयर बाजार उछला

एशियाई बाजारों में तेजी का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला जिससे प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और सेंसेक्स गुरुवार (29 मई) को मजबूती के साथ खुले। इन्फोसिस के नेतृत्व में आईटी स्टॉक में तेजी से बाजार को बूस्ट मिला। अमेरिकी की एक कोर्ट ने डॉनल्ड ट्रंप के इम्पोर्ट बिल पर रोक लगाने का फैसला किया है। इससे आईटी स्टॉक्स में तेजी आई है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,591.03 पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी देखने को मिली। यह 422.35 अंक याकी बढ़त लेकर 81,734.67 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.49 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया विदेशी पूंजी के प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में लिवाली सेको शुरूआती कारोबार में सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.45 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में लिवाली से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.56 प्रति डॉलर पर खुला और शुरूआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.45 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दशार्ता है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 85.38 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.40 फीसदी की बढ़त के साथ 100.18 पर रहा।

सोने का भाव 94,850 रुपए, चांदी 97,600 के पार

नई दिल्ली ■

सोने के वायदा भाव में गुरुवार को शुरूआत में नरमी के साथ कारोबार देखा जा रहा है, जबकि चांदी के भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के भाव 94,850 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,650 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नरमी,जबकि चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरूआत नरमी के साथ हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 378 रुपये की गिरावट के साथ 94,900 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,278 रुपये था। इस समय यह 438 रुपये की गिरावट के साथ 94,840 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स

पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 307 रुपये की तेजी के साथ 97,562 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,255 रुपये था। इस समय यह 385 रुपये की तेजी के साथ 97,640 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में नरमी और चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,283.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,294.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 22.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,272.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्सपर चांदी के वायदा भाव 33.11 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.16 डॉलर था। इस समय यह 0.16 डॉलर की तेजी के साथ 33.32 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

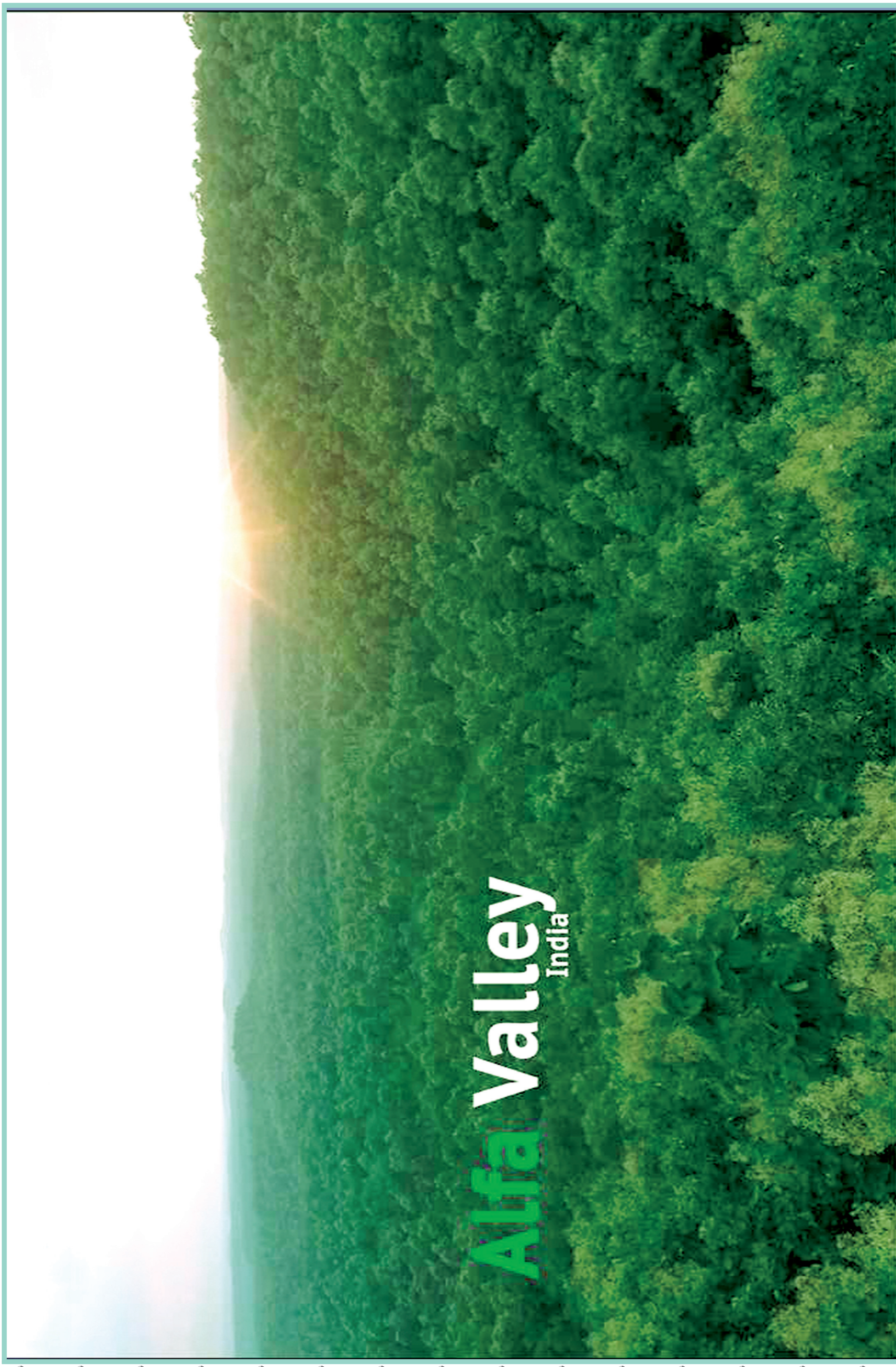
Alfa Valley
India

मनोरंजन

सेहत को लेकर काफी फिक्रमंद रहती हैं मानुषी

बालीवुड अभिनेत्री मानुषी छिल्लर सेहत को लेकर काफी फिक्रमंद रहती हैं। उनकी दो ताजा तस्वीरें तो यही बयां करती हैं। एक्ट्रेस मानुषी ने इंस्टाग्राम पर दो शानदार तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में उन्होंने योगा मैट पर बैठकर मिरर सेल्फी ली है, उनके बगल में डंबल और रेजिस्टेंस बैंड रखे हुए हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में उनके प्रभावशाली कोर स्ट्रेंथ को दिखाया गया है, जिसमें उनके मिड-प्लैंक को परफेक्ट फॉर्म में दिखाया गया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सुंदर छोटे बच्चे को मसल्स बनाना पसंद... आप कितनी देर तक प्लैंक कर सकते हैं? अभिनेत्री ने 19 मई को अपने असाधारण जन्मदिन समारोह की एक झलक साझा की, जो विभिन्न समय क्षेत्रों में 33 घंटे से अधिक समय तक चला। उन्होंने बताया कि जेट लैग ने उन्हें पीछे छोड़ दिया क्योंकि उन्होंने लगातार केक काटने का काम किया, जिसमें एक विशेष बकलवा और करीबी दोस्तों का सरप्राइज शामिल था। मानुषी ने लिखा, एक जन्मदिन जो 33 घंटे और 30 मिनट तक चला! जब आपके पास काटने के लिए ढेरों केक और जश्न मनाने के लिए बहुत कुछ हो, तो जेट लैग की कौन परवाह करता है। मुझे इतना खास महसूस कराने के लिए मेरी गर्ल्स का शुक्रिया। वहीं काम की बात करें तो मानुषी छिल्लर इस साल दो बड़ी फिल्मों के साथ एक रोमांचक साल की तैयारी कर रही हैं। पहली फिल्म है मालिक, जो एक गैंगस्टर ड्रामा है जिसमें वह राजकुमार राव के साथ काम कर रही हैं। इस फिल्म में मानुषी बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रही हैं। पुलकित के निर्देशन में सजी और कुमार तौरानी तथा जय शेवक्रमणी द्वारा निर्मित, मालिक 20 जून, 2025 को रिलीज होने वाली है।

करिश्मा कपूर ने बताया गर्मी से राहत पाने का हेल्दी और स्टाइलिश तरीका, तस्वीरें देख फैंस हुए दीवाने

आम लोग हों या बॉलीवुड सितारे गर्मी का मौसम पूरे देश में लोगों को परेशान कर रहा है। हर कोई 40 डिग्री तापमान में खुद को ठंडा और राहत में रखने के नए-नए तरीके आजमा रहा है। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा कर यह दिखाया है कि इस चिलचिलाती गर्मी में भी कैसे खुद को हेल्दी और फ्रेश रखा जा सकता है। करिश्मा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं और उनके फैंस इस समर स्टाइल को खूब पसंद कर रहे हैं। करिश्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें वह पूल के किनारे बैठी हुई नजर आ रही हैं और हाथ में तरबूज का एक ताजा टुकड़ा पकड़े हुए पोज़ देती दिख रही हैं। करिश्मा ने इस पोस्ट को कैप्शन भी दिया जो गर्मियों की ताजगी और सादगी को बखूबी बयां करता है। इन तस्वीरों में उन्होंने मरून रंग का सूट पहन रखा है और उनका मेकअप बेहद हल्का और नेचुरल है, जो समर लुक के लिए एकदम परफेक्ट माना जा सकता है। इस लुक में करिश्मा बेहद एलिगेंट और फ्रेश लग रही हैं। फैंस न सिर्फ उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि उनके इस हेल्दी और आसान समर टिप को भी फॉलो करने की सलाह दे रहे हैं। करिश्मा का यह अंदाज एक बार फिर यह साबित करता है कि सादगी में भी स्टाइल और सेहत दोनों का ध्यान रखा जा सकता है।

आदित्य के निवास में अज्ञात महिला ने की घुसपैठ

बीती 26 मई को बालीवुड के फेमस एक्टर आदित्य रॉय कपूर के घर में अनजान महिला दाखिल हो गई। अभिनेता सलमान खान के घर में घुसपैठ की कोशिश के बाद अब अज्ञात महिला ने अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के बांद्रा वेस्ट स्थित निवास में घुसपैठ की। बाद में महिला की पहचान 47 वर्षीय गजाला झकारिया सिद्दीकी के रूप में हुई, जिसने दावा किया कि वह अभिनेता को एक उपहार देना चाहती थी और इसी वजह से उनके घर में दाखिल हुई। हालांकि अभिनेता ने उसे पहचानने से इनकार कर दिया। अभिनेता की हाउस हेल्प द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर खार पुलिस ने 26 मई को सिद्दीकी के खिलाफ घर में घुसपैठ (ट्रेस पासिंग) का मामला दर्ज किया। पुलिस एफआईआर के अनुसार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर बांद्रा वेस्ट स्थित रिजवी कॉम्प्लेक्स में रहते हैं। 26 मई को अभिनेता शूटिंग के सिलसिले में घर से बाहर थे और उनकी घरेलू सहायिका संगीता पवार (49 वर्ष) घर पर अकेली थीं। शाम करीब 6 बजे डोरबेल बजी। दरवाजा खोलने पर नौकरानी ने दरवाजे पर एक महिला को खड़ा पाया। महिला ने पूछा कि क्या यह अभिनेता आदित्य रॉय कपूर का घर है। जब नौकरानी ने पुष्टि की कि हां, यह अभिनेता का घर है तो महिला ने कहा कि वह अभिनेता के लिए कपड़े और अन्य उपहार लाई है। नौकरानी ने उस पर विश्वास किया और उसे अंदर आने दिया। नौकरानी ने पूछा कि वह किस समय आने वाली थी तो महिला ने जवाब दिया कि 6 बजे। थोड़ी देर बाद अभिनेता घर लौट आए।

LiTTAL®
www.pramodmarutiparts.com

आरसीबी 9 साल बाद आईपीएल फाइनल में :क्वालिफायर-1 में पंजाब को 8 विकेट से हराया, सुयश-हेजलवुड को 3-3 विकेट, सॉल्ट की फिफ्टी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 9 साल बाद आईपीएल फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने गुरुवार को क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हराया। ओपनर फिल सॉल्ट ने फिफ्टी लगाई। वहीं, जोश हेजलवुड और सुयश शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। सुयश प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में गुरुवार को बेंगलुरु ने बॉलिंग चुनी। पंजाब किंग्स 14.1 ओवर 101 रन ही बना सकी। मार्कस स्टोयनिस ने 26 रन बनाए। यश दयाल को 2 विकेट मिले। आरसीबी ने 10 ओवर में 2 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान रजत पाटीदार ने छक्का लगाकर टीम को फाइनल में पहुंचाया। बेंगलुरु ने चौथी बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाई। टीम ने 2016 में आखिरी खिताबी मुकाबला खेला था, लेकिन रनर-अप रही। आरसीबी अब 3 जून अहमदाबाद में फाइनल खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स 1 जून को क्वालिफायर-2 में एलिमिनेटर की विजेता से भिड़ेगी। एलिमिनेटर शुक्रवार को मुंबई और गुजरात के बीच होगा।

कप्तान रजत पाटीदार के छक्के से जीता बेंगलुरु

बेंगलुरु ने पंजाब को 8 विकेट से हरा दिया है। कप्तान रजत पाटीदार ने मुशीर खान के ओवर की आखिरी बॉल पर छक्का लगाकर बेंगलुरु को फाइनल में पहुंचा दिया है। बेंगलुरु की टीम 9 साल बाद फाइनल में पहुंची है। टीम ने 2016 में पिछला फाइनल मैच खेला था। तब टीम रनरअप रही थी।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), नेहल वाधेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोयनिस, अजमतुल्लाह ओमरजई, हरप्रीत बरार, काइल जैमिसन और अर्शदीप सिंह।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट, विराट कोहली, लियम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, जोश हेजलवुड और सुयश शर्मा।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट-गुकेश की लगातार दो हार के बाद वापसी:तीसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-2 हिकारू को हराया

अब फैबियानो से भिड़ेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर शानदार जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर-2 हिकारू पर इस जीत से उन्हें तीन पॉइंट्स मिले और टूर्नामेंट में लगातार दो हार के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। गुकेश 29 मई 2025 यानी आज अपना 19वां जन्मदिन मना रहे हैं। इससे पहले, गुकेश को पहले दो राउंड में मैग्नस कार्लसन और अर्जुन एरिगैसी से हार का सामना करना पड़ा था।

चौथे राउंड में फैबियानो से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से गुकेश स्टैंडिंग में फिलहाल 5वें नंबर पर हैं। टॉप पर अमेरिका के फैबियानो कारूआना हैं। चौथे राउंड में गुकेश का सामना फैबियानो कारूआना से ही होगा। दूसरे राउंड में अर्जुन ने हराया था गुकेश को मंगलवार को दूसरे राउंड में हमवतन अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद वे स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए थे। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

गुकेश मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन

गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए।

चैंपियन डी गुकेश ने चेस ओलिंपियाड भी जिताया था

10 से 23 सितंबर तक पिछले साल बुडापेस्ट में चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था। ओपन कैटेगरी में गुकेश ने ही फाइनल गेम जीतकर भारत को जीत दिलाई थी।

इंग्लैंड दौरे में युवा खिलाड़ियों की असली परीक्षा होगी : पुजारा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों की असली परीक्षा होगी। पुजारा के अनुसार विराट कोहली और रोहित शर्मा के नहीं होने से अब सारा भार युवा बल्लेबाजों पर ही रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल और उपकप्तान की जिम्मेदारी ऋषभ पंत को मिली है। भारतीय टीम के लिए इंग्लैंड दौरा कभी भी आसान नहीं रहा है। उसने अब तक इंग्लैंड में 19 में से केवल तीन सीरीज ही जीती हैं जिसमें अंतिम बार 2007 में उसे राहुल द्रविड़ की कप्तानी में जीत मिली थी।

उन्होंने कहा, भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज हमेशा से ही चुनौती पूर्ण रही है। इसमें 19 सीरीज में से केवल 3 में ही जीत मिल है जिससे पता चलता है कि इंग्लैंड के हालातों में खेलना कितना कठिन होता है। एक युवा टीम के साथ, यह दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक अहम मोड़ होगा। मैं यह देखने के लिए उत्साहत हूं कि यह समूह किस तरह से इस अवसर पर आगे बढ़ता है और भविष्य के लिए नए मानक स्थापित करता है। भारतयीय टीम को यहां हैडिंग्ले, एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल में पांच टेस्ट खेलने हैं। इस सीरीज से नये विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) सत्र की भी शुरुआत होगी। वहीं पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान को उम्मीद है कि शुभमन की कप्तानी में जा रही ये युवा टीम इंग्लैंड दौरे पर मिलने वाली कड़ी चुनौतियों का सामना करने में सफल रहेगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा , नई पीढ़ी के आगे आने के साथ, भारतीय टीम न केवल विरासत को आगे बढ़ा रही है बल्कि हमारे क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय भी लिखने तैयार है। मैदान तुम्हारा, जीत हमारी के नारे से अंदाजा होता है कि ये बैखौफ होकर खेलने के लिए तैयार है। इस टीम में हालातों के अनुसार ढ़लने की क्षमता भी दिखती है इसके साथ ही इसमें शामिल खिलाड़ी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित दिखते हैं।

बांग्लादेश में दो क्रिकेटर मैदान में ही भिड़े, अंपायरों से भी बदसलूकी

मीरपुर। बांग्लादेश के मीरपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रिकेट मैच के दौरान दो खिलाड़ियों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। इस दौरान बीच में आये अंपायर से भी धक्कामुक्की हुई है। ये मामला बांग्लादेश की पारी के 104वें ओवर के दौरान हुई जब बांग्लादेश के रिपन मोंडल और दक्षिण अफ्रीका के त्शेपो एंटलुली के बीच झड़प हो गयी। रिपन ने एंटलुली के ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया। इसके बाद वह गेंदबाज एंटलुली के पास पहुंचे और उन्हें धक्का दे दिया, जिससे विवाद बढ़ गया। रिपन ने कई बार एंटलुली को धक्का देने का प्रयास किया हालांकि दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी पर जब रिपन नहीं रुके तो एंटलुली ने रिपन का हेलमेट खींच लिया। जिससे दोनों खिलाड़ियों के बीच मारपीट शुरु हो गयी। इस दौरान बीच में आये अंपायर्स से भी बदसलूकी हुई। अब इन दोनो ही खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। मैच रेफरी सलीम शाहिद ने कहा कि एक आधिकारिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और घटना की समीक्षा के बाद किसी भी संभावित प्रतिबंध का निर्धारण किया जाएगा।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां,
घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताजातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चैनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

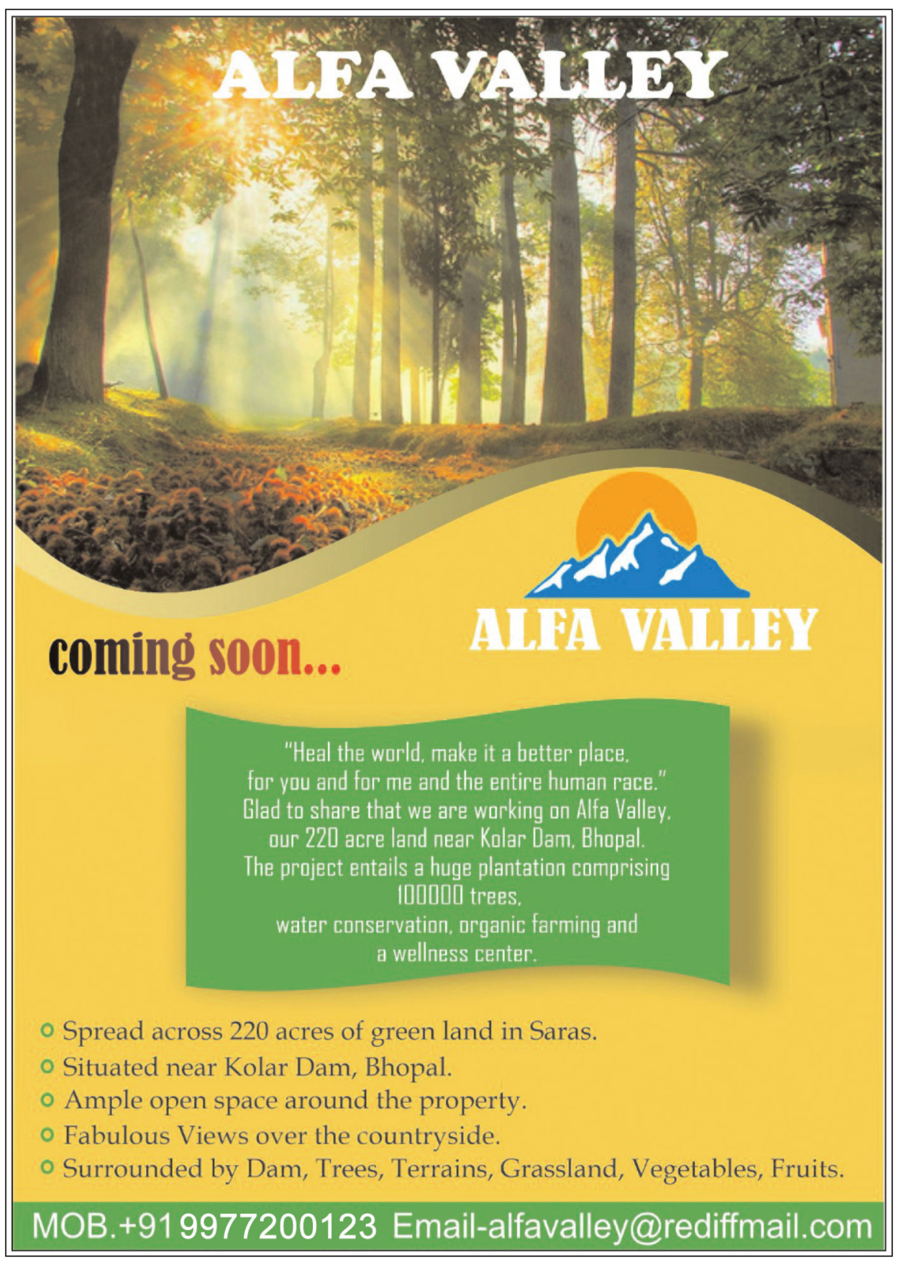

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com